11 जुलाई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर स्थित तालाब की कराएं बैरेकेडिंग, नाव व गोताखोरों को करें तैनातः डीएम

2

अच्छी खबरः बिहार के 1.11 करोड़ लाभुकों के खाते में आएंगे 1227 करोड़

केटी न्यूज/पटना

♦ 38 जिलों के मुख्यालयों, 534 प्रखंड मुख्यालयों, 8053 पंचायतों और 43 हजार से अधिक राजस्व गावों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

बिहार के 1.11 करोड़ लोगों के खाते में शुक्रवार, 11 जुलाई को कुल 1227 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस राशि का उद्घाटन करेंगे। यह राशि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी, जिसमें हर लाभार्थी के खाते में 1100 रुपये जमा होंगे। दरअसल, पिछले महीने नीतीश सरकार ने दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की पेंशन 400 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी थी। यह पहली बार है जब बढ़ी हुई पेंशन लाभार्थियों के खातों में आएगी, जिसका उन्हें बेसब्री से इंतजार है। चुनावी वर्ष के मद्देनजर, सरकार इस कार्यक्रम को भव्य तरीके से आयोजित करने जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी पूरी तैयारियां कर ली हैं।

शुक्रवार को होगा राज्य स्तरीय समारोह : पटना में शुक्रवार को राज्य स्तरीय समारोह होगा, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पेंशन राशि का वितरण करेंगे। इसके अलावा, सभी 38 जिलों के मुख्यालयों, 534 प्रखंड मुख्यालयों, 8053 पंचायतों और 43 हजार से अधिक राजस्व गावों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इन कार्यक्रमों में पूरे राज्य से 60 लाख से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे। सीएम नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा कि राज्य में समाज के हर वर्ग और हर तबके के लोगों को उनका पूरा हक और सम्मान मिले, ये शुरू से ही हमारी

प्राथमिकता रही है। कल का दिन राज्य की एक बड़ी आबादी के लिए अत्यंत खुशी का दिन है। आपको पता है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए कर दी गई है और कल राज्य के 1 करोड़ 11 लाख से अधिक लाभार्थियों के खाते में डी॰बी॰टी॰ के माध्यम से बढ़ी हुई दर से 1227.27 करोड़ रुपए की राशि अंतरित कर दी जाएगी।

अस्वस्थता की स्थिति में आपको निःशुल्क उचित उपचार मिल सके: उन्होंने आगे लिखा कि बख्तियारपुर की सुशीला देवी जी, मोकामा के चंदवारी निवासी लक्ष्मी देवी जी, पालीगंज की बांदी खातून जी, मसौढ़ी के तारेगना डीह निवासी महेंद्र प्रसाद जी, बिक्रम प्रखंड के दिनारा निवासी भट्ट कुमार और उनकी पत्नी गीता कुमारी सहित कई अन्य लोगों की प्रतिक्रिया देखी। इन सभी का कहना है कि पेंशन की राशि बढ़ने से उनका मासिक खर्च आसानी से निकल जाएगा तथा अब उन्हें किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। यह अत्यंत संतोष की बात है। अंत में मुख्यमंत्री लिखते हैं कि हम चाहते हैं कि आप सभी स्वस्थ एवं सुखी रहें और इसीलिए मैंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि आप सभी को आयुष्मान भारत कार्ड भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि अस्वस्थता की स्थिति में आपको निःशुल्क उचित उपचार मिल सके। वृद्धजन, विधवा महिलाएं एवं दिव्यांगजन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनका जीवन बेहतर करने के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं।

राजधानी में 48.96 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा आधुनिक हाट

पटना। राजधानी पटना को जल्द ही एक नया सांस्कृतिक और व्यापारिक पहचान मिलने जा रही है। गांधी मैदान के सभ्यता द्वार के पश्चिमी हिस्से में अत्याधुनिक हाट का निर्माण किया जा रहा है। 48.96 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस हाट को तीन मंजिला इम्पोरियम के रूप में विकसित किया जाएगा।

आधुनिक हाट में अंडरग्राउंड व सर्फेस पार्किंग की सुविधाएं होंगी। यह हाट तीन मंजिले का इंपोरियम, दो रेस्टोरेंट, बच्चों और युवाओं के लिए गेम जोन, आग से बचाव के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम और फायर अलार्म, लिफ्ट, जल टंकी, सीसीटीवी निगरानी, सोलर पावर जेनरेशन सिस्टम और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं से लैस होगा। परियोजना को बिहार राज्य पर्यटन निगम लिमिटेड क्रियान्वित करेगी, और इसे 24 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना जो प्राचीन मगध की विरासत को प्रदर्शित करेगी। मधुबनी जिले के मिथिला हाट की तर्ज पर बन रहे इस हाट में बिहार की प्रसिद्ध कलाओं जैसे मधुबनी पेंटिंग, भागलपुर की मंजूषा कला, पटना की टिकुली पेंटिंग और सिक्की शिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल और अवैध बांग्लादेशियों को लेकर जुबानी जंग छिड़ी

पं. बंगाल को पाने की भाजपा की चाहत कभी पूरी नहीं होगी: टीएमसी

♦ टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के वासियों को 'बांग्लादेशी' बताकर उनका शोषण करने का लगाया आरोप

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच गुरुवार को बंगाल और अवैध बांग्लादेशियों को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई। यह राजनीतिक घमासान तब शुरू हुआ जब टीएमसी ने बीजेपी पर दिल्ली में बंगालियों को 'बांग्लादेशी' बताकर उनका शोषण करने का आरोप लगाया। मामला तो फुचका बनाम गोलगप्पा तक पहुंच गया। टीएमसी ने बीजेपी के लिए गोलगप्पा शब्द का प्रयोग किया। इसके बाद सियासी पारा और हाई हो गया।

बीजेपी और टीएमसी के बीच यह बहस तब शुरू हुई, जब आरोप लगा कि दिल्ली के वसंत कुंज में रहने वाले लगभग 1200 बंगाली बोलने वाले लोगों को, जो कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के कूच बिहार से हैं, को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। टीएमसी ने कहा कि इन बंगाली भाइयों का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया है। साथ ही, उन्हें झूठे तरीके से बांग्लादेशी बताया जा रहा है। टीएमसी ने अपने एक्स हैंडल पर एक तीखा हमला करते हुए लिखा कि बंगाल को पाने की बीजेपी की चाहत कभी पूरी नहीं होने वाली है। उनकी हर कोशिश हमेशा नाकाम रहेगी।

गोलगप्पा कभी फुचका नहीं बन पाएगाः टीएमसी ने कहा कि पीएममोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बंगाल की परवाह करने का दिखावा करते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के मन में हमारे लोगों के लिए गहरी नफरत भरी हुई है। टीएमसी ने आगे कहा कि बीजेपी के गुंडे, जमीन माफिया, डीडीए और सीएम रेखा की मदद से हमारे बंगाली भाइयों को दिल्ली पुलिस की मदद से परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी ने कहा कि गोलगप्पा कभी फुचका नहीं बन पाएगा और बीजेपी कभी बंगाल नहीं जीत पाएगी। बता दें कि यहां 'गोलगप्पा' और 'फुचका' एक ही चीज के दो अलग-अलग नाम हैं, जो अलग-अलग जगहों पर इस्तेमाल होते हैं। टीएमसी ने कहा किजैसे गोलगप्पा को बंगाल में फुचका नहीं कहा जा सकता, वैसे ही भाजपा कभी बंगाल नहीं जीत पाएगी।

भाजपा सारे दांव अपनाने के बाद भी टीएमसी को सत्ता से हटा नहीं सकी

कोलकाता। पिछले 11 साल में बीजेपी ने उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत, पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर पर करीब करीब एकछत्र अपना साम्राज्य फैला लिया है। पर बीजेपी की टीस है कि बंगाल अभी भी उसके हाथ से बाहर है। बीजेपी सारे दांव अपना कर भी टीएमसी को सत्ता से हटा नहीं सकी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा के हर तीर को भोथरा कर दिया। 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद ऐसी फिजां बनी थी कि लगता था कि 2021 का विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत निश्चित है। सारे ओपिनियन पोल और राजनीतिक विश्लेषकों ने बीजेपी की जीत की घोषणा कर रखी थी। टीएमसी में पार्टी छोड़ने की होड़ लगी हुई थी। पर ममता बनर्जी ने अपना दुर्ग बरकरार ही नहीं रखा बल्कि बीजेपी को बुरी तरह पटखनी भी दी। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी यही हाल था। सारे ओपिनियन पोल यही कह रहे थे कि बीजेपी कई जगहों से हार रही है पर बंगाल में बड़ी बहुमत हासिल कर रही है। पर एक बार फिर बीजेपी को ममता के आगे घुटने टेकने पड़े।

जाहिर है कि बीजेपी के रणनीतिकारों को ऐसा लगा होगा कि कि अब बंगाल फतह के लिए नई रणनीति अपनानी होगी। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं। राज्य इकाई के नए नवेले बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के आने के बाद बंगाल में यही चर्चा जोरों पर है कि पार्टी ने यहां अपनी धुन बदल दी है। उसने अपनी कट्टरपंथी राजनीति को यहां मध्यमार्गी बनाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। समिक भट्टाचार्य हर रोज कोई भी ऐसा मौका नहीं छोड़ रहे हैं, जिससे राज्य में ये संदेश जाए कि बीजेपी सबको साथ लेकर चलना चाहती है। वो बार-बार ऐसा संदेश देते हैं कि पार्टी की नजर में हिंदू -मुसलमान में कोई अंतर नहीं है। बस पार्टी मुस्लिम बच्चों की हाथ में पत्थर की जगह किताब रखना चाहती है। जाहिर है कि बीजेपी के इस बदले रुख से बहुत लोगों को हैरानी हो रही है. पर ये सही है कि बीजेपी ने यहां अलग राह पकड़ ली है।

मातृत्व अवकाश के बदले घूस मांगने वाला शिक्षा विभाग का प्रधान लिपिक रंगेहाथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

पटना से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है जहां शिक्षा विभाग के डीईओ कार्यालय के प्रधान लिपिक अशोक कुमार वर्मा को एक लाख रुपए घूस लेते निगरानी ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। मातृत्व अवकाश के लिए अशोक कुमार वर्मा ने डेढ़ लाख रुपये का डिमांड किया था। शिक्षा विभाग में कार्यरत एक वरिष्ठ कर्मचारी को घूसखोरी के मामले में विजिलेंस टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पटना जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय में कार्यरत प्रधान लिपिक अशोक कुमार वर्मा को गुरुवार को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए दबोचा गया। उन पर आरोप है कि उन्होंने मातृत्व अवकाश की स्वीकृति के बदले एक महिला कर्मचारी से डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। महिला द्वारा इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की गई, जिसके बाद पूर्व नियोजित जाल में फंसाकर वर्मा को रंगे हाथ पकड़ा गया।

महिला कर्मचारी ने जब आलोक वर्मा से मातृत्व अवकाश स्वीकृति के लिए संपर्क किया, तो वर्मा ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बदले 1.5 लाख की मांग रखी। परेशान होकर महिला ने इसकी शिकायत बिहार राज्य निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से कर दी। विजिलेंस टीम ने शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद ट्रैप प्लान तैयार किया। गुरुवार को जैसे ही आलोक वर्मा ने एक लाख रुपये की पहली किस्त स्वीकार की, टीम ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के तुरंत बाद अशोक वर्मा को पटना निगरानी थाने लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनके कार्यालय और आवास पर भी तलाशी की कार्रवाई की जा रही है। निगरानी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह मामला सरकारी सेवा में भ्रष्टाचार का गंभीर उदाहरण है। आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। घटना ने शिक्षा विभाग की नैतिक साख और पारदर्शिता पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

डीएसपी अभय प्रसाद यादव के ठिकानों पर छापा

पटना। बिहार सरकार भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन ले रही है। सरकार ने अपने तीनों हथियार को एक्टिवेट कर दिया है। हाल के दिनों में सरकार की तीनों जांच एजेंसियां कार्रवाई में जुटी हैं। 10 जुलाई को विशेष निगरानी इकाई, आर्थिक अपराध इकाई और निगरानी अन्वेषण ब्यूरो भ्रष्टाचारियों पर टूट पड़ा है। सुबह से लगातार कार्रवाई जारी है। गुरुवार चार धनकुबेरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। विशेष निगदरानी इकाई ने सीआईडी मद्य निषेध में पदस्थापित डीएसपी अभय प्रसाद यादव के ठिकानों पर छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में रेड हुई है। अभय प्रसाद यादव पर सेवा में रहते आय से 50 फीसदी से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इनके खिलाफ 50 .42 फीसदी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया गया है . कोर्ट से तलाशी वारंट के आधार पर खगड़िया एवं पटना आवास और कार्यालय में तलाशी ली गई। अभय प्रसाद यादव 1994 में पुलिस में आए। इन्होंने अपने सेवा काल में कुल एक करोड़ 99 लाख आय किया। इनके खिलाफ एक करोड रुपए अप्रत्यानुपातिक धनार्जन का मामला दिखाया गया है। छापेमारी के दौरान डीएसपी के ठिकानों से जमीन के कई कागजात मिले हैं। कुल 9 सेल डीड जांच टीम को मिला है, जिसकी कीमत करोड़ों में है।

बालू माफिया रामाकांत यादव की गोली मारकर हत्या, फायरिंग से दहला इलाका

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में बेखौफ अपराधियों ने राजधानी के बड़े बालू माफिया रामाकांत यादव की गोली मारकर हत्या कर दी है। इस दौरान अपराधियों द्वारा की गई गोलीबारी से पूरा इलाका दहल गया। घटना पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थानाक्षेत्र के धाना गांव की है।

बताया जा रहा है कि रामाकांत यादव धाना गांव में अपने घर के बाहर बगीचे में टहल रहे थे, तभी अज्ञात अपराधी ने उन्हें गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में घायल के परिवार के लोग बिहटा के निजी अस्पताल में भर्ती कराते हैं, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक रामाकांत यादव पिछले कई सालों से बालू के कारोबार से जुड़े हुए हैं हालांकि हत्या का पीछे कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है और अपराधियों की धर पकड़ में जुट गई है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

कांग्रेस की बैठक में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के भोजपुर में कांग्रेस की एक बैठक के दौरान दो गुटों के बीच जमकर हंगामा और मारपीट हुई, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ के सिर फूट गए। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें कांग्रेस नेता हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। यह घटना भोजपुर जिला कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक के दौरान हुई। बैठक में मौजूद कार्यकताओं के दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि वे आपस में भिड़ गए। विवाद के बाद हाथापाई शुरू हो गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के भिलाई विधानसभा क्षेत्र से विधायक देवेंद्र यादव मौजूद थे। उनका कांग्रेस कार्यालय में नारेबाजी के बीच स्वागत किया गया। इसी दौरान दो गुटों के बीच

तकरार हो गई, जो जल्दी ही मारपीट में बदल गई। मारपीट इतनी हिंसक थी कि लोग एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर मारते नजर आए और कई के सिर फटने की खबर भी मिली। हालांकि मौके पर मौजूद अन्य कांग्रेस कार्यकताओं ने बीच-बचाव कर हालात को संभाला और कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। विधायक देवेंद्र यादव का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। लेकिन इस घटना को लेकर पूरे जिले में चर्चा बनी हुई है। देवेंद्र यादव ने कहा कि घटना में कौन लड़ा और किसे चोट आई, इसका पता आगे चलकर चलेगा।

14 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार, नासा ने किया दावा...

एक्सिओम–4 की प्रगति पर बारीकी से रखी जा रही है नजर

एजेंसी/नई दिल्ली

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के चालक दल के तीन अन्य सदस्य 14 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार हैं। नासा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नासा कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के मैनेजर स्टीव स्टिच ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम स्टेशन प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं और एक्सिओम-4 की प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें उस मिशन

को अनडॉक (अलग करना) करना होगा और इसका मौजूदा लक्ष्य 14 जुलाई है।

एक्सिओम-4 मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था और ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके एक्सिओम-4 चालक दल ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 230 सूर्योदय देखे हैं और कक्षीय प्रयोगशाला में दो सप्ताह के अंत में अंतरिक्ष में लगभग 100 लाख किलोमीटर की यात्रा की है। शुक्ला, पैगी व्हिटसन, स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीवस्की और टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 चालक दल ने भी आईएसएस पर अपना अंतिम अवकाश दिवस बिताया, और पृथ्वी पर वापसी की तारीख की नासा द्वारा घोषणा की प्रतीक्षा की। एक्सिओम स्पेस के एक बयान में कहा गया है कि एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के चालक दल ने पृथ्वी के चारों ओर लगभग 230 परिक्रमाएं पूरी कर ली हैं और साठ लाख मील (96.5 लाख किलोमीटर) से अधिक की यात्रा की है। बयान में कहा गया है, 'पृथ्वी से लगभग 250 मील ऊपर से चालक दल ने अपना खाली समय तस्वीरें और वीडियो लेने, धरती का नजारा देखने और प्रियजनों से फिर से जुड़ने में बिताया।

बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर स्थित तालाब की कराएं बैरेकेडिंग, नाव व गोताखोरों को करें तैनातः डीएम

♦ डीएम-एसपी ने लिया बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में तैयारियों व पहुंच पथ का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

श्रावणी मेला के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण तथा आवश्यक तैयारियों के मद्देनजर गुरूवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह एवं एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर में तैयारियों एवं पहुंच पथ का निरीक्षण किया।

इस दौरान डीएम-एसपी द्वारा मंदिर में श्रावणी मेले के लिए प्रतिनियुक्त मजिस्टेज्ट, पुलिस पदाधिकारी तथा अन्य कर्मियों के साथ संयुक्त रूप से ब्रीफिंग कर आवश्यक निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने ब्रह्मपुर सीओ को बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर में स्थित तालाब में बैरिकेडिंग कराने, नाव-नाविक, गोताखोर की प्रतिनियुक्ति कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही एसडीआरएफ टीम की भी प्रतिनियुक्ति कराने का निर्देश दिया गया। ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल निपटा जा सकें।

जिलाधिकारी ने कहा कि पूरे सावन इस मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिसे देखते हुए सभी को अपनी जिम्मेवारी के प्रति चौकन्ना रहना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि भीड़ के दौरान अक्सर अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है, जिसे देखते हुए पहले से तैयारी जरूरी है। बता दें कि सावन के दौरान इस मंदिर में लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करते है। वहीं, प्रत्येक सोमवार को बक्सर से गंगा जल लेकर कावरियें श्रद्धालु पैदल ब्रह्मपुर पहुंच बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करते है। इस दौरान विधि व्यवस्था संधारण के लिए प्रशासन द्वारा पुख्ता तैयारी की जाती है। जिलाधिकारी व एसपी इसी तैयारी को परखने आए थे तथा तैयारियों को परखने के बाद दोनों अधिकारी संतुष्ट दिखे।

चिन्हित जगहों पर सीसीटीवी व साइनेज लगाएः जिलाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत ब्रह्मपुर को मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र का प्रतिदिन नियमित रूप से एवं सोमवार को विशेष रूप से 2-3 पाली में पर्याप्त सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। श्रावणी मेला में विधि व्यवस्था के मद्देनजर कार्यपालक पदाधिकारी को नगर निकाय क्षेत्र में विशेष कर मंदिर परिसर के आस-पास क्षेत्रों में चिन्हित जगहों पर सीसीटीवी, शौचालय तथा प्रवेश व निकास द्वार का साइनेज लगाने का निर्देश दिया गया।

कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को निरंतर विद्युत आपूर्ति एवं मार्गो में लूज एवं नीचे लटके हुए तारों की जांच कराते हुए मरम्मती कराने का निर्देश दिया गया। वहीं, सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी पीएचसी/सीएचसी, अनुमंडलीय अस्पताल एवं सदर अस्पताल में चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति, पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाएं, ऑक्सीजन आदि का स्टॉक रखने का निर्देश दिया।

आज से सावन की हुई शुरूआत

डुमरांव। शिवभक्तों के लिए बेहद पावन माने जाने वाले सावन माह की शुरूआत आज यानी शुक्रवार से हो रही है। इसके शुरूआत को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ भगवान शिव की आराधना करेंगे और शहर सहित ग्रामीण इलाका हर-हर महादेव के नारों से गुंजायमान रहेगा। शिव पूजनोत्सव के क्रम में भगवान शिव पर श्रद्धालु पूरे माह तक जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक करेंगे, जबकि विप्रजनों के निर्देशन में रुद्राभिषेक अनुष्ठान भी कराएंगे तथा बम भोले का आशीष पाएंगे। सावन माह के 14 जुलाई को पहली सोमवारी होगी। 09 अगस्त को सावन पूर्णिमा के साथ ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाए जाने के साथ सावन माह का समापन हो जाएगा। आचार्य पं. विंध्याचल ओझा ने बताया कि सावन का महीना अत्यंत पावन पुण्यदायी और भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। इस वर्ष अत्यंत शुभ संयोगों के साथ होना और भी शुभ माना जा रहा है। इस बार श्रद्धालु भक्तों को सावन में चार सोमवार का अवसर प्राप्त होगा।

बासुदेवा केसठ मोड़ के बाजार की चार दुकानों का ताला तोड़ चोरी

नावानगर। डुमरांव-विक्रमगंज हाईवे स्थित बासुदेवा थाना क्षेत्र के बासुदेवा-केसठ मोड़ बाजार में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक साथ चार दुकानों को निशाना बनाने का मामला प्रकाश में आया है। इस वारदात से पूरे बाजार में दहशत का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस गश्ती पर लोग सवाल उठाने लगे हैं। बताया जाता है कि उक्त बाजार पर छेदी चौरसिया, लखन्दर चौरसिया, संजय साह एवं नारायण शर्मा की पान व परचून की दुकान है। इन दुकानों में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी कर भाग निकले है। दुकानदारों ने बताया कि वे बुधवार की शाम अपनी दुकानें बंद कर घर लौट गए थे। गुरुवार सुबह आने पर देखा कि दुकानों के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। छेदी चौरसिया ने बताया कि चोरों ने उनकी दुकान से करीब 17 हजार नकद और अन्य सामान चोरी कर लिया। अन्य दुकानों से भी नगदी और सामग्री की चोरी हुई है। घटना से व्यापारियों में आक्रोश है और बाजार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित दुकानदारों ने बासुदेवा थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि मौके की जांच की गई है और चोरों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

जिले में अलग अलग सड़क हादसों में दो दर्जन से अधिक घायल, नहीं हुई कोई बड़ी घटना

हादसा: चाट में पलटी निजी स्कूल की बस 20 बच्चे घायल, सात की हालत गंभीर

♦ चालक मौके से फरार, अभिभावकों में आक्रोश, पुलिस कर रही है जांच

♦ ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए जख्मी बच्चों को पहुंचाया अस्पताल

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के सरेंजा-पुरेन्दा मार्ग पर गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। चौसा स्थित एक निजी स्कूल की तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चाट में पलट गई। बस में सवार करीब 20 छात्र घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल बच्चों को बाहर निकालकर चौसा सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सात छात्रों को सदर अस्पताल रेफर किया गया।

300 गज पहले ही हुआ हादसा : बताया जाता है कि चौसा से बच्चों को लेकर बस कठतर गांव स्थित स्कूल जा रही थी। स्कूल से लगभग 300 गज पहले ही बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन चाट में जा पलटी। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायलों में शामिल बच्चे घायलों में चौसा के कक्षा दो के रितेश (7 वर्ष), शिवम (13 वर्ष), विपुल कुमार (10 वर्ष) व चौसा नरायणपुर की दिव्या चौबे (13 वर्ष), अभिषेक कुमार, संचिका कुमारी व आसिफ अली की हालत नाजुक है।

अस्पताल में परिजनों का हंगामाः घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक अस्पताल पहुंच गए। बच्चों की हालत देखकर कई परिजन आक्रोशित हो उठे और चालक की लापरवाही के लिए स्कूल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

घटना स्थल पर पहुंचे जदयू जिलाध्यक्षः घटना की सूचना मिलने पर जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल लिया और स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा की। श्री सिंह ने कहा कि दोषी बस चालक और लापरवाह स्कूल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपील की कि निजी स्कूलों की बसों की नियमित जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन से मांग स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि आए दिन चालक की लापरवाही सामने आती रही है, लेकिन प्रबंधन इसे नजरअंदाज करता रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जबकि फरार चालक की तलाश जारी है।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभू भगत ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि

ट्रक और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक ही परिवार के चार जख्मी, दो हालत गंभीर

डुमरांव। गुरुवार को कोरानसराय में अलग-अलग दुर्घटनाओं में कुल पांच लोग जख्मी हो गए है। जख्मियों में तीन सगी बहनों व एक भाई के अलावे एक पिकअप चालक शामिल है। इनमें तीन की हालत गंभीर है, जिन्हें अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

पहली घटना कोरान सराय-बगेन मार्ग पर नहर पुल के समीप की है। अहले सुबह यहां एक बाइक व ट्रक की टक्कर में तीन युवती व एक किशोर जख्मी हो गए। सभी एक ही बाइक पर सावार थे तथा आपस में सगे भाई बहन है। सभी घायलों को कोरानसराय के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्राथमिक उपचार के बाद डायल 112 नंबर पुलिस उन्हें लेकर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची। जहां दो युवतियों की नाजूक स्थिति को देख उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव निवासी राजेश कुमार सिंह की तीनों पुत्रियां खुशबू कुमारी, कुसुम कुमारी, सुमन कुमारी तथा 15 वर्षीय पुत्र आशुतोष कुमार बुधवार को ही एक ही बाइक पर सवार होकर गिरधर बरांव स्थित रिश्तेदारी में आयोजित एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से गुरूवार की सुबह सभी लौट रहे थे, तभी एक ट्रक की चपेट में आने से सभी जख्मी हो गए। इसके में कुसुम कुमारी और सुमन कुमारी गंभीर रूप से जख्मी है।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित पिकअप : डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर कोरानसराय थाना क्षेत्र के कान्धी फिल्ड के पास एक अनियंत्रित पिकअप वैन सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में पिकअप चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना गुरूवार की सुबह करीब नौ बजे की बताई जा रही है। राहगीरों की सूचना पर पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम ने जख्मी पिकअप चालक को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया तथा उसके स्वजनों को इस घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही उसके स्वजन अनुमंडल अस्पताल पहुंच गए।

चौसा में अंडरपास रोड के गलत निर्माण को लेकर विकास राज ने उठाई आवाज

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में बक्सर-सासाराम मुख्य आरओबी के अंडरपास रोड के गलत निर्माण और उससे हो रही जनसमस्याओं को लेकर नगर पंचायत के उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास राज ने पुल निर्माण निगम के एसडीओ अखिलेश कुमार से मिलकर जनहित का मुद्दा उठाया।

विकास राज ने बताया कि उन्होंने 17 नवंबर से 2 दिसंबर तक लगातार 17 दिनों तक धरना देकर बजरंग मोड़ से रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर अंडरपास की मांग की थी, जिसे बाद में स्वीकृति भी मिल गई और कार्य प्रारंभ हुआ। लेकिन निर्माण कार्य रोड साइड की ओर खिसकने से आम लोगों को अब भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जनता की आवाज को लेकर विकास राज ने एसडीओ से स्थल पर बातचीत की। एसडीओ ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया कि कार्य पूर्णतः जनहित में और मजबूत तरीके से किया जाएगा। ब्रिज के बाद पांच मीटर चौड़ी बाईपास सड़क का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे लोगों की समस्याएं खत्म हो जाएंगी। मौके पर राकेश उपाध्याय, चंदन यादव, राजू चौबे, परवेज अंसारी, अशोक जी, जितेश सिंह, प्रमोद दुबे, प्रेमनाथ उपाध्याय व अन्य लोग मौजूद रहे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ Mob : 9122226720
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
चर्म रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)

पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

अटांव के हरियाली जीविका महिला संकुल संघ की अध्यक्ष ने जांच प्रभावित करने का लगाया आरोप

♦ डीएम को पत्र लिख बताया उन्हें, आरजीबी एवं बीओडी को बलपूर्वक भंग करने का किया जा रहा प्रयास

केटी न्यूज/डुमरांव

अटांव पंचायत में जीविका समूह में हुए घोटाले तथा हरियाली जीविका महिला संकुल संघ पुराना भोजपुर की अध्यक्ष पुष्पा देवी के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

इस मामले में पुष्पा देवी द्वारा पूर्व में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा स्थानीय विधायक को पत्र अटांव पंचायत में जीविका समूह में हुए घोटाले की जांच कराने तथा उनके साथ 18 फरवरी को हुई बैठक में दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। लेकिन, इस आरोप के बाद जीविका के अधिकारी उनसे खार खाए है तथा गलत तरीके से उन्हें हटाने की कोशिश कर रहे है। जिसके खिलाफ पुष्पा देवी ने मोर्चा खोल दिया है तथा जिलाधिकारी को पत्र लिख इसकी जानकारी दी है। जिलाधिकारी को लिखे पत्र में पुष्पा ने बताया कि उनके तथा कई अन्य महिलाओं के साथ जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक अखिलेश कुमार क्षेत्रीय समन्वयक दयानंद सामुदायिक समनवयक राहुल रंजन कुमार के द्वारा रिप्रेजेंटेटिव आफ गवर्निंग बॉडी की बैठक में 18 फरवरी को अभद्र व्यवहार किया गया था।

इसको लेकर एक आवेदन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं डुमरांव के विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह को दिया गया था। शिकायत के आलोक में सीएम कार्यालय द्वारा जिलाधिकारी को जांच एवं कार्रवाई करने के लिए लिखा गया है। डुमरांव विधायक ने भी वरीय पदाधिकारी को भी जांच के लिए लिखा गया है। अटांव पंचायत में जीविका समूह एवं कई अन्य ग्राम संगठनों में हुए गबन मामले में भी विधायक द्वारा इनके खिलाफ बीपीएम अखिलेश कुमार, एसी दयानंद, सीसी राहुल रंजन कुमार की भूमिका एवं कार्यशैली पर लिखा गया है दोनों मामले में चल रहे जांच को प्रभावित करने के लिए यह सभी पदाधिकारी नजायज ढंग से हरियाली जीविका महिला संकुल संघ से अध्यक्ष एवं आरजीबी एवं बीओडी को बलपूर्वक भंग कर मनमाने तरीके से हटाना चाहते हैं तथा गलत ढंग से चुनाव करना चाहते हैं। उन्होंने पत्र के माध्यम से डीएम को बताया है कि चुनाव की नियमावली एवं प्रक्रिया को ताक पर रखकर आनन-फानन में मन माफीक चुनाव करा रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर, कटाव भी हुआ तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

गंगा के जल स्तर में लगातार वृद्धि जारी है। गुरूवार को जल स्तर काफी तेज रफ्तार से बढ़ रहा था, जिस कारण गंगा का पानी तेजी से उन क्षेत्रों में फैल रहा था जो गर्मी के दिनों में सूख गए थे। जल स्तर बढ़ने के साथ ही कटाव भी तेज हो गया है। वहीं, बक्सर के साथ ही यूपी का बलिया जिला प्रशासन कटावरोधी अभियान को तेज कर दिया है।

गुरूवार को शिवपुर दियर स्थित जनेश्वर मिश्र सेतु के इलाके में तेज कटाव देखा गया। यह कटाव पुल के पोल संख्या 10 और 11 के बीच हो रहा था। देखते ही देखते उर्वर खेत गंगा में समा रहे थे। जानकारों का कहना है कि यह कटाव केशोपुर से लेकर नैनीजोर के प्रबोधपुर डेरा व ढाबी तक हो रहा है। जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, बलिया जिला प्रशासन द्वारा संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जनेश्वर मिश्र सेतु के संपर्क पथ को मजबूत किया जा रहा है। इस कवायद में प्रशासन द्वारा संपर्क पथ के दोनों किनारे पर बड़े-बड़े बोल्डर बिछाए जा रहे है, ताकी बाढ़ आने पर संपर्क पथ को विशेष क्षति नहीं पहुंचे।

वहीं, बक्सर प्रशासन द्वारा भी कोईलवर तटबंध में कटाव वाले जगह पर सैंड बैग डालने के साथ ही तटबंध पर चिन्हित जगहों पर सैंड बैग रखे गए है, ताकी जरूरत पड़ने पर तत्काल इसे कटाव वाले जगह पर डाला जा सकें।

कमल नगर मोहल्ले में हुई नाली की सफाई

डुमरांव। वार्ड 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले में पिछले छह माह से अवरुद्ध नाले के पानी व जल जमाव से लोगों की परेशानी की खबर केशव टाइम्स में प्रकाशित होने के बाद नप की तंद्रा टूटी। बुधवार को जेसीबी के साथ आए मजदूरों ने पेट्रोल पंप के सामने की नाली के ऊपर का स्लैब हटा नाली में जमे गाद को निकाला, लेकिन पंप के पीछे स्थित मोहल्ले की नलियों की सफाई नहीं की, जिससे पानी का बहाव अपेक्षित गति से नहीं हो सका।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की जानकारी देने के लिए चौसा में 58 जगहों पर आयोजित होगा चौपाल

पेंशन चौपाल अभियान की तय की गई रूपरेखा

केटी न्यूज/चौसा

राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में अब गांव-गांव में चौपाल लगा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। चौसा में यह चौपाल कुल 58 जगहों पर आयोजित होगा।

गुरवार को बीडीओ अशोक कुमार व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हषिकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से जिम्मेदार बनाये गए नोडल पदाधिकारी स्कूलों के हेडमास्टर उपस्थित रहे। बैठक में चयनित प्रखंड के विभिन्न स्कूलों में पेंशन चौपाल अभियान की रूपरेखा तय की गई। बीडीओ अशोक कुमार ने स्पष्ट कहा कि सरकार की पेंशन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हषिकेश कुमार सिंह ने तकनीकी और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी स्पष्ट करते हुए बताया कि कल से चौसा प्रखंड के 58 चयनित स्थानों पर चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों में लाभार्थियों को वीडियो, ऑडियो और संवाद के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस कार्य मे जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता, सेविका-सहायिका, विकास मित्र एवं अन्य पंचायत कर्मी को लगाया गया है। चौपाल का उदेश्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पात्र लाभुकों को योजना की जानकारी देकर उन्हें योजना का लाभ दिलवाना है। इसके लिए प्रखंड प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है।

बता दें कि बिहार सरकार द्वारा राज्य में छह प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं चलाई जा रही हैं। वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, वृद्धजन, लक्ष्मी बाई पेंशन, व निशक्तता पेंशन।

प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य योजनाओं की व्यापक जानकारी देना और समाज के सबसे कमजोर वर्गों को आर्थिक सहायता से जोड़ना है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ

अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

संक्षिप्त समाचार

शिबू सोरेन से मिलने दिल्ली पहुंचे बाबूलाल मरांडी, सीएम हेमंत सोरेन से जाना गुरुजी का हाल

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में बीते कई दिनों से इलाजरत है। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत राज्य और केंद्र के कई नेता और मंत्री उनका हाल जानने अस्पताल गये थे। इसी बीच आज बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी गुरुजी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने अस्पताल पहुंचे। बाबूलाल मरांडी ने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत कर गुरुजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वे सीएम के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। बीते कई दिनों से सर गंगाराम अस्पताल में इलाजरत शिबू सोरेन की तबीयत में अब धीरे–धीरे सुधार हो रहा है। विदेश के कई विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार गुरुजी के स्वस्थ्य में बहुत धीमी गति से सुधार आ रहा है।

चक्रधरपुर में ज्वेलर्स की दुकान से चोरी का खुलासा

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में एक ज्वेलर्स की दुकान से हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक महिला और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर चोरी के जेवर बरामद कर लिए हैं। चोरी की घटना 6 जुलाई की रात को गुदड़ी बाजार स्थित नरेश प्रसाद ज्वेलर्स की दुकान में हुई थी। चोरों ने रात 3 बजे दुकान की छत का टीन काटकर अंदर प्रवेश किया और सोने–चांदी के जेवर चुरा लिए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चक्रधरपुर थाना में एसडीपीओ शिवम प्रकाश ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छापेमारी की गई। पुलिस ने सरायकेला खरसावां थाना कुचाई के पुतुलपीर की रहने वाली 21 वर्षीय स्मृति बांदिया और एक नाबालिग लड़की को आरपी कॉलोनी से गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर चोरी के जेवर बरामद कर लिए गए हैं। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पूर्व विधायक अंबा प्रसाद व करीबियों की 16 कंपनियों की जांच शुरू हुई

रांची, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, उनके परिजनों और करीबियों से जुड़ी 16 कंपनियों की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत की जा रही है, जो जमीन कब्जा, रंगदारी वसूली और बालू तस्करी जैसे आरोपों से संबंधित है। ईडी को जांच में पता चला है कि अंबा, उनके पिता पूर्व विधायक योगेंद्र साव, भाई अंकित राज, और अन्य परिजन इन कंपनियों के निदेशक या मालिक हैं। इन कंपनियों के जरिए निर्माण, खनन और परिवहन जैसे कारोबार संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें वैध और अवैध दोनों तरह की पूंजी लगी हो सकती है। 4 जुलाई को ईडी ने रांची और हजारीबाग में 8 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान अंकित राज के चार्टर्ड अकाउंटेंट बादल गोयल के यहां से 15 लाख रुपए, दस्तावेज व डिजिटल डिवाइस जब्त हुए थे। मां अष्टभुजा सिरामिक्स एंड मिनरल, अंकित राज सैंड स्टॉकयार्ड, एसकेएस इंटरप्राइजेज, अष्टभुजी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, जय मां अष्टभुजी कंस्ट्रक्शन, मिलियन ड्रीम्स फाउंडेशन, हिबकॉन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, कश्यप देव ट्रांसपोर्टर प्राइवेट लिमिटेड, वी कनेक्ट इंडिया, मेसर्स धीरेंद्र कुमार, अनन्या इंटरप्राइजेज, अंबा प्रसाद वेलफेयर फाउंडेशन, मां कामाख्या कंक्रीट्स, मेसर्स अंकित राज, मेसर्स योगेंद्र साव व कंडाबर फायर क्ले माइंस।

हजारीबाग के शिव भक्तों को मिली सावन स्पेशल ट्रेन सौगात

हजारीबाग, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हजारीबाग वासियों को सावन के अवसर पर एक बड़ा उपहार दिया है। हजारीबाग के शिव भक्तों को देवघर और सुल्तानगंज जाने के लिए सावन स्पेशल ट्रेन की सौगात मिल गई है। इससे हजारीबाग के लोगों को बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए देवघर जाने में आसानी होगी। हजारीबाग से बीजेपी सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि मोदी सरकार हमेशा लोगों के साथ खड़ी रहती है। सावन के अवसर पर केंद्र सरकार ने एक बड़ा उपहार हजारीबाग वासियों को दिया है। यह ट्रेन रांची से भागलपुर के बीच चलेगी। ट्रेन हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

प्रदेश में अघोषित शराबबंदी, जमाखोरों की चांदी

रांची, एजेंसी। झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू होने की प्रक्रिया ने राज्य में अघोषित शराबबंदी जैसी स्थिति पैदा कर दी है। पड़ोसी राज्य बिहार में 2016 से लागू शराबबंदी के बाद अवैध शराब का कारोबार पहले ही बढ़ चुका है। राज्य में भी नई नीति के तहत शराब की बिक्री पर अस्थायी रोक ने जमाखोरों और अवैध धंधेबाजों को मुनाफाखोरी का सुनहरा अवसर दे दिया है।

नई नीति के तहत खुदरा शराब दुकानों की बंदोबस्ती से पहले राज्यव्यापी ऑडिट और हैंडओवर-टेकओवर की प्रक्रिया के कारण शराब की आपूर्ति बाधित हो रही है। परिणामस्वरूप बार और रेस्तरां में शराब का भंडार सीमित हो गया है, जिसका फायदा उठाकर जमाखोर मनमानी कीमतों पर शराब बेच रहे हैं।

राज्य में नई उत्पाद नीति को लागू करने की प्रक्रिया में देरी ने शराब की उपलब्धता पर गहरा असर डाला है। एक जुलाई से नई नीति लागू होनी थी, लेकिन लॉटरी प्रक्रिया और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं के पूरा न होने के कारण शराब की खुदरा बिक्री प्रभावित हुई है। वर्तमान नीति के तहत 30 जून को शराब की बिक्री बंद हो चुकी है और नई नीति के तहत दुकानों की बंदोबस्ती अभी तक शुरू नहीं हो पाई है।

इस बीच, झारखंड स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से शराब की बिक्री जारी रखने की घोषणा की गई, लेकिन जिला स्तर पर स्पष्ट निर्देशों के अभाव में दुकानें बंद हैं। ऑडिट प्रक्रिया के कारण शराब की आपूर्ति रुकी हुई है, जिससे बाजार में शराब की कमी हो गई है।

शराब की कमी का फायदा उठाकर जमाखोरों और अवैध धंधेबाजों ने बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। स्थिति का आकलन कर पहले से ही शराब का स्टॉक जमा करने वाले ये लोग अब मनमानी कीमतों पर शराब बेच रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर शिकायतें सामने आई हैं।

बिहार में शराबबंदी के कारण पहले से ही झारखंड से अवैध शराब की आपूर्ति हो रही थी और अब अघोषित शराबबंदी ने इस कारोबार को और बढ़ावा मिलने की संभावना है।

नई उत्पाद नीति के तहत झारखंड में शराब की खुदरा बिक्री निजी हाथों में सौंपी जाएगी और 1453 निजी दुकानों का आवंटन लॉटरी सिस्टम से होगा। हालांकि, इस नीति के लागू होने में अभी समय लग सकता है। तब तक कॉरपोरेशन के माध्यम से बिक्री जारी रखने की योजना है, लेकिन प्रक्रियात्मक देरी और आडिट ने आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। विपक्ष ने इस नीति पर सवाल उठाते हुए इसे शराब माफियाओं को बढ़ावा देने वाला बताया है।

सरकार ने अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिए सख्ती बरतने की बात कही है। नई नीति में अवैध शराब बेचने पर लाइसेंस रद करने और जुर्माने का प्रावधान है। इसके बावजूद, सरकारी शराब दुकानों में नकली और मिलावटी शराब की बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच में शराब घोटाले से जुड़े कई तथ्य सामने आए हैं, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत भी शामिल है। सरकार ने नशामुक्त गांवों को एक लाख रुपये का इनाम देने की योजना शुरू की है, लेकिन अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण अभी भी चुनौती बना हुआ है।

बिहार सीमा पर अवैध शराब के विरुद्ध सक्रिय होगा चेक पोस्ट, राज्य में भी बढ़ेगी चौकसी

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेला और बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार सीमा पर अवैध शराब के विरुद्ध चेक पोस्ट को सक्रिय किया जाएगा। राज्य में चौकसी बढ़ेगी।

अवैध शराब के निर्माण, इसके व्यापार व परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने सभी जोनल आइजी, रेंज डीआइजी व सभी जिलों के एसएसपी-एसपी को आवश्यक निर्देश जारी कर दिया है।

सभी अधिकारियों को बिहार में अपने समकक्ष अधिकारियों से सीमा से सटे जिला, थाना आदि से समन्वय स्थापित कर एक-दूसरे को सहयोग करने के लिए कहा गया है। यह भी कहा गया है कि शराब तस्करों व उन्हें सहयोग करने वालों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करें।

पुलिस मुख्यालय ने अधिकारियों से कहा है कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग व स्टेट हाइवे के किनारे के लाइन होटल व ढाबों की भी विशेष निगरानी करें, ताकि अवैध तरीके से शराब की बिक्री को रोका जा सके।

सीआरपीएफ कैंप स्थित मुख्य सड़क पर बुधवार को सतगावां थाना पुलिस ने स्कूटी पर लदे दो पेटी अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। सीआरपीएफ कैंप के समीप पुलिस को देख तस्कर ने स्कूटी खड़ी कर भागने का प्रयास किया।

पुलिस कर्मियों ने दौड़ाकर उसे धरदबोचा। पुलिस ने युवक के बैग से बी 7 के 180 एमएल के 48 पीस, आइबी के 180 एमएल के 48 पीस शराब बरामद किया गया। युवक की पहचान गावां थाना क्षेत्र के खरसान गांव निवासी श्लोक साव के रूप में हुई। थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार युवक को मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

सरायकेला में चलती ट्रक में लगी आग: चालक ने कूदकर बचाई जान

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेला जिले के चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत कांड्रा-चौका मार्ग पर गुरुवार सुबह एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह हादसा लखना सिंह घाटी में उस समय हुआ, जब ट्रक कांड्रा से चौका की ओर जा रहा था। घाटी के एक तीखे मोड़ पर ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकरा गया। टक्कर के बाद हुए शॉर्ट सर्किट से ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरा ट्रक चंद मिनटों में जलकर खाक हो गया।

चालक ने कूदकर बचाई जान

ट्रक में आग लगते ही चालक ने सूझ-बूझ दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। गनीमत रही कि ट्रक में चालक के अलावा कोई अन्य सवार नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने जलते हुए ट्रक को देखा और तुरंत कांड्रा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही कांड्रा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौका थाना एवं

अग्निशमन विभाग को जानकारी दी।

दमकल ने बुझाया आग, सब जल कर राख

दमकल विभाग की टीम ने समय पर पहुंचकर मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि चालक को झपकी आने के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया और रेलिंग से जा टकराया, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस अब फरार चालक की तलाश में जुट गई है और ट्रक मालिक से संपर्क साधने की कोशिश की जा रही है। वहीं, घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है।

जामताड़ा में भारी बारिश में कच्चा घर ढहा: ढाई साल के मासूम की मौत

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा नाला प्रखंड के कालीपत्थर गांव में बुधवार रात हुई भारी बारिश एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। शिवधन हेंब्रम का मिट्टी, पुआल और खपड़ों से बना कच्चा घर बारिश की वजह से भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में शिवधन के ढाई साल के बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मां की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना में शिवधन की पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनका पैर टूट गया है। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए आसनसोल रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

समय पर नहीं पहुंचा एम्बुलेंस

घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित सरण मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाए। सुमित सरण ने बताया कि घटना के बाद भी एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। घायल परिजनों को निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाना पड़ा। शुरुआती घंटों में कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने खुद घटना की सूचना उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को दी। इसके बावजूद काफी देर बाद नाला सीओ और थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

प्रशासन ने दिलाया मदद का भरोसा

इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष कुणाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेन राउत और प्रदीप राउत ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना प्रकट की। सुमित सरण ने कहा कि पीड़ित परिवार को अब तक अबुआ आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, जो गंभीर लापरवाही है। उन्होंने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। इधर प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया गया है।

सावन में बाबा आम्रेश्वर धाम जाने में श्रद्धालुओं को हो सकती है परेशानी, पुल टूटने से खूंटी सिमडेगा मार्ग बाधित

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले में स्थित प्रसिद्ध बाबा आमरेश्वर धाम के दर्शन में इस साल श्रद्धालुओं को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सावन में श्रद्धालुओं को यहां पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। इसकी वजह है स्थित बनई नदी पर बने पेलोल पुल का टूटना। पुल टूटने के कारण इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। हालांकि, मंदिर प्रबंधन का कहना है कि उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की है।

दरअसल, मिनी बाबाधाम के नाम से विख्यात आमरेश्वर धाम में स्वयंभू शिवलिंग की पूजा होती है। खास बात यह है कि यहां बाबा भोलेनाथ का गर्भगृह खुली छत के नीचे है। पांच दशकों से चली आ रही पूजा अब भक्तों के लिए विशेष आस्था और भक्ति का पवित्र स्थल बन गया है। सावन के पवित्र महीने में बाबा भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की जाती है।

झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से भी बाबा के भक्त यहां जल चढ़ाने और मन्नतें मांगने पहुंचते हैं। सावन को लेकर खूंटी के प्रसिद्ध बाबा अमरेश्वर धाम में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सावन में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रविवार व सोमवार के लिए दंडाधिकारी की भी नियुक्ति की गयी है।

महिला पुलिस बल की भी तैनाती की गयी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवा काउंटर सेवा भी बहाल कर दी गई है। आमरेश्वर धाम प्रबंधन समिति के महासचिव मनोज कुमार ने कहा कि सावन के पहले रविवार और पहले सोमवार को लेकर पुलिस प्रशासन ने प्रबंधन समिति के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था की है। आमरेश्वर धाम परिसर तोरपा और मुरहू सीमा क्षेत्र में होने के कारण मुरहू व तोरपा थाना की संयुक्त रूप से ड्यूटी रहेगी। पूजन सामग्री व अन्य दैनिक उपयोगी वस्तुओं की दुकानें लगाने की देखरेख की जिम्मेदारी बाबाधाम प्रबंधन समिति की है।

अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला, ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से पीटा

मनातू (पलामू), एजेंसी। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम को जंगल बचाने निकली वन विभाग की टीम पर ही जानलेवा हमला हो गया। अतिक्रमण हटाने गई टीम पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से धावा बोल दिया। इस हमले में दो वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इतना ही नहीं, जब्त ट्रैक्टर को भी छीनकर ले गए। हमले के बाद वनकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। घटना मनातू थाना क्षेत्र के बंशी खुर्द गांव की है।

दरअसल, वनकर्मियों को सूचना मिली थी कि गांव के पास वनभूमि पर अवैध रूप से जुताई की जा रही है। इस पर विभागीय टीम मौके पर पहुंची और एक ट्रैक्टर

जब्त किया। जब टीम ट्रैक्टर को लेकर लौट रही थी, तभी रास्ते में ग्रामीणों की भीड़ ने घेर लिया और लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

इस हमले में विभागीय वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हमले में वाहन चालक और एक वनकर्मी को गंभीर चोटें आई हैं। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। फॉरेस्टर राजेश गुप्ता ने बताया कि जिस भूमि पर जुताई की जा रही थी, वह आरक्षित वनभूमि है। जांच में सामने आया है कि यह अवैध जुताई स्थानीय राजकीय चौकीदार के संरक्षण में हो रही थी। ऐसे में यह केवल अतिक्रमण का मामला नहीं, बल्कि सरकारी पद का दुरुपयोग भी है। उन्होंने कहा कि विभाग इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा।मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि वन विभाग की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और किसी तरह सभी कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

टोरी रेलवे साइडिंग में फायरिंग, हाईवा जलाया

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत टोरी रेलवे कोयला साइडिंग में बुधवार रात एक बार फिर से अपराधियों का तांडव देखने को मिला। इस बार पांच से छह की संख्या में आए अज्ञात अपराधियों ने कोल साइडिंग में खड़े हाईवा (ओडी 09 वी 1907) पर अंधाधुंध फायरिंग की और फिर उसे आग के हवाले कर दिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में पूरा हाईवा जलकर राख हो गया। इस सनसनीखेज घटना की जिम्मेदारी कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली है। गैंग ने घटना स्थल पर पर्चा छोड़ा है और फेसबुक पोस्ट के माध्यम से भी कोयला व्यवसायियों को धमकी दी है।

राहुल दुबे गिरोह ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि लातेहार, चंदवा, बालूमाथ और चतरा क्षेत्र में कोयला व्यवसाय उनके इजाजत के बिना नहीं चल सकता। गैंग ने विशेष रूप से कोयला व्यवसायी रंजीत गुप्ता को धमकी दी है। कहा है कि उनकी अवहेलना करने वालों को अंजाम भुगतना पड़ेगा। अपराधियों की यह करतूत क्षेत्र में दहशत फैलाने वाली है, जिससे कोल व्यवसायी समेत आम लोग भी दहशत में हैं।

घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना प्रभारी रणधीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने तत्काल इलाके को घेर लिया और सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच गंभीरता से कर रही है और अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।यह पहली बार नहीं है जब राहुल दुबे गैंग ने कोयला क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई हो। इससे पहले भी इसी महीने 6 जुलाई को बरियातू थाना क्षेत्र के फूलबसिया रेलवे साइडिंग में इसी गैंग ने फायरिंग कर एक हाईवा में आग लगा दी थी।वहीं 11 जून को भी टोरी साइडिंग में लेवी वसूली को लेकर हमला हुआ था, जिसमें एक कर्मी बाल-बाल बचा था। इन घटनाओं से साफ है कि कोल साइडिंग क्षेत्र में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है।

बोकारो में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ : विदेशी ब्रांड के नाम पर चल रहा था धंधा

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के चिरा चास थाना क्षेत्र के नन्दुआ स्थान में पुलिस ने नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पिंटू कुमार के मकान में गोपाल सिंह नकली शराब का निर्माण और बिक्री कर रहा है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम ने छापेमारी की। मौके से नकली शराब, निर्माण सामग्री, विदेशी ब्रांड के स्टीकर, ढक्कन, कार्टून और स्प्रिट बरामद हुए। बरामद बोतलों पर स्टर्लिंग रिजर्व, रॉयल स्टैग, ब्लैक टाइगर, 7पीएम, आइकॉनिक और सिग्नेचर जैसे ब्रांड्स के नकली स्टिकर लगे थे।

आरोपी इन ब्रांड्स की नकली शराब बनाकर बाजार में असली के दाम पर बेचते थे। पुलिस ने गोपाल सिंह और पिंटू कुमार को नामजद अभियुक्त बनाया है। चिरा चास थाने में दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गोपाल सिंह पहले भी इस तरह के अवैध धंधे में शामिल रहा है। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। स्थानीय प्रशासन ने इस कार्रवाई को सफलता बताया है।

पलामू में वन विभाग की टीम पर हमला: फोरेस्ट लैंड पर चौकीदार कर रहा अवैध खेती

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में वन भूमि पर अवैध खेती रोकने गई वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। यह घटना बुधवार रात मनातू थाना क्षेत्र के वंशीखुर्द गांव में हुई। हमले में वन विभाग के चालक को गंभीर चोटें आई हैं और विभाग की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, वंशीखुर्द गांव में मनातू थाने का चौकीदार पिंटू चंद्रवंशी वन भूमि पर अवैध रूप से खेती कर रहा था। बुधवार रात करीब नौ बजे फॉरेस्टर के नेतृत्व में सात सदस्यीय वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उस समय वहां चौकीदार का ट्रैक्टर जमीन की जुताई कर रहा था। टीम ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया और कार्रवाई शुरू की।

ट्रैक्टर जब्त होते ही चौकीदार पिंटू चंद्रवंशी ने अपने परिजनों और ग्रामीणों को मौके पर बुला लिया। थोड़ी ही देर में बड़ी संख्या में लोग वहां जुट गए और उन्होंने जबरन ट्रैक्टर छुड़ा लिया। इसके बाद भीड़ ने वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। टीम का चालक देवशरण महतो हमले में बुरी तरह घायल हो गया। उन्हें सिर, छाती और आंख पर गंभीर चोटें आईं। घायल चालक को तुरंत मेदिनीनगर के एमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चालक देवशरण महतो ने बताया कि भीड़ ने वन विभाग की गाड़ी को भी निशाना बनाकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और वन विभाग की टीम को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला।

थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि वन विभाग द्वारा इस कार्रवाई की पूर्व सूचना पुलिस को नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि यदि रात में कार्रवाई से पहले पुलिस को सूचित किया गया होता तो स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सकता था। फिलहाल, मामले में चौकीदार समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। घायल चालक का अस्पताल में इलाज चल रहा है और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

सुभाषितम्

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है। -वाल्मीकि

भारत में रायटर पर प्रतिबंध? सेंसरशिप को लेकर चर्चा

भारत सरकार ने क्या अघोषित रूप से सेंसरशिप शुरू कर दी है। हाल ही में ट्विटर के नए अवतार एक्स द्वारा यह खुलासा किया है। एक्स को भारत सरकार द्वारा रायटर और रॉयटर्स वर्ल्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय समाचार संगठनों के हैंडल सहित 2300 से अधिक अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया गया था। यह निर्देश आईटी अधिनियम की धारा 69अ के तहत दिया गया था। जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था का हवाला देकर डिजिटल कंटेंट पर रोक लगाने का निर्देश था। एक्स ने रायटर्स पर रोक लगा दी थी। इस घटनाक्रम के बाद सरकार की इस रोक पर भारत, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और मानवाधिकार संगठनों के बीच एक नई बहस छिड़ गई है। क्या भारत में प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में है क्या भारत में अघोषित रूप से सेंसरशिप लागू कर दी गई है। एक्स ने भारत सरकार के आदेश को लेकर गहरी चिंता जताई है। उसने कहा है, अगर भारत सरकार के आदेशों का एक्स पालन नहीं करता, तो उसे भारत में आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है। एक्स ने यह भी स्पष्ट किया है, वह सभी कानूनी विकल्पों पर गंभीरता के साथ विचार कर रहा है। एक्स ने स्पष्ट किया भारतीय कानूनों के अनुसार वह खुद भारत सरकार के इन आदेशों को अदालत में चुनौती नहीं दे सकता। भारत सरकार के नियमों एवं निर्देश के अनुसार रायटर्स को प्रतिबंधित किया गया है। इस विवाद पर भारत सरकार ने पल्ला झाड़ते हुए कहा, उसने ब्लॉक करने के लिए कोई नया आदेश नहीं दिया है। जैसे ही रायटरों के एकाउन्ट ब्लॉकिंग का मामला सामने आया। सरकार ने अनब्लॉक करने के निर्देश दे दिए हैं। सवाल उठता है, इतने बड़े वैश्विक मीडिया संस्थान के अकाउंट को बिना स्पष्ट कारण के कैसे और क्यों ब्लॉक किया गया क्या तकनीकी खामी के आधार पर इसे रोक को नजरअंदाज किया जा सकता है। अगर यह तकनीकी कारण था, तो इसे सुधारने में 21 घंटे क्यों लगेयह मामला केवल एक तकनीकी भूल नहीं है। यह मामला डिजिटल स्पेस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के प्रति अविश्वास का प्रतीक बन गया है। भारत, खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश कहता है। अब भारत सेंसरशिप के आरोपों से घिरता नजर आ रहा है। घटना ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत की साख पर प्रश्नचिन्ह लगाने का काम किया है। प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ होती है। सरकारें आलोचनात्मक या असहज सवालों को दबाने के लिए सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म्स को सेंसर करने का प्रयास करती हैं। ऐसे समाचार पत्र और एजेंसी जो दुनिया भर में अपने कामकाज और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं। उन्हें यदि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर प्रतिबंधित किया जाता है। यह न केवल लोकतंत्र को चोट पहुंचाएगा, बल्कि भारत की वैश्विक छवि को भी धूमिल करेगा। जरूरत है, सरकार पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की नीति अपनाए। मीडिया स्वतंत्र रूप से बिना किसी डर और भय के अपनी भूमिका निभा सके। भारत सरकार द्वारा जिन साइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया जाता है। उन्हें यह भी नहीं बताया जाता है कि किन कारणों से कंटेंट को ब्लॉक किया जा रहा है। उन्हें कंटेंट हटाने के लिए भी नहीं कहा जाता है। सीधे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म को निर्देश भेज दिए जाते हैं। अमुक साइट को ब्लॉक कर दें। दुनिया के देशों में भारत पहला ऐसा देश है, जो सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर सबसे ज्यादा साइट ब्लॉक करने के आदेश देता है। यदि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म उसे ब्लॉक नहीं करते हैं, सरकार ने सोशल मीडिया के लिए ऐसे कानून बना रखे हैं। सोशल मीडिया के डिजिटल प्लेटफार्म के ऊपर अपराधिक मुकदमे दर्ज किया जा सकता है। मस्क पहले कह चुके हैं, भारत के न्यायालयों में अपराधिक मुकदमों में जमानत और सुनवाई समय पर नहीं होती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के जो भी आदेश हों उनका पालन करना कंपनी की बाध्यता है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के अघोषित सेंसरशिप नियमों की चर्चा बड़ी आम हो गई है। सरकार को इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थों का परित्याग होता है। प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

- डॉ. वंदना सेन

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्रायः सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है। गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरू का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं। शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था। हम जानते हैं कि विश्व के प्रायः सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरू ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था। गुरु का कार्यक्षेत्र केवल गुरुकुल तक ही सीमित नहीं था अपितु उनके तेजोमय ज्ञान का प्रसार राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में था। उनकी विद्वता और उत्तम चरित्र तथा व्यापक मानव सहानुभूति की भावना के कारण उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली होती थी। गुरु के आचार-विचार में भेद नहीं होता था। गुरुकुल में प्रवेश पाने वाले शिक्षार्थी के अन्तर्मन में झाँककर गुरु उसकी योग्यता, आवश्यकता एवं कठिनाइयों को भलीभांति समझते थे। गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तम मानस का निर्माण करना था। वस्तुतः स्वयं गुरु ही विद्यार्थियों के आदर्श थे जिनसे प्रेरित होकर वे उनका अनुसरण करते थे और संयमी, गम्भीर तथा अनुशासन युक्त जीवन का निर्माण करते थे। प्राचीन काल में धौम्य, च्यवन ऋषि, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, वाल्मीकि, गौतम, भारद्वाज आदि ऋषियों के आश्रम प्रसिद्ध रहे। बौद्धकाल में बुद्ध, महावीर और शंकराचार्य की परंपरा से जुड़े गुरुकुल जग प्रसिद्ध थे, जहाँ विश्वभर से मुमुक्षु ज्ञान प्राप्त करने आते थे और जहाँ गणित, ज्योतिष, खगोल, विज्ञान, भौतिक आदि सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी।

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम है

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी द्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है। निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। वहीं ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने भी विपक्ष के सामने संकट पैदा कर दिया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर उल ईमान ने लालू प्रसाद को चिट्ठी लिख कर कहा कि एमआईएम को महागठबंधन में शामिल किया जाए। राजद की ओर से पहली प्रतिक्रिया में पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इसके लिए मना कर दिया है। असल में एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस दोनों को उलझा दिया है। ये दोनों पार्टियां कहती रही हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है और हर बार राजद, कांग्रेस को हराने के लिए चुनाव लड़ती है। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी ओर से तालमेल की पहल की है। अगर राजद, कांग्रेस तालमेल के लिए तैयार नहीं होते हैं तो फिर कैसे एमआईएम पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाएंगे! राजद और कांग्रेस की स्थिति सांप छछूंदर वाली हो गई है। इंडी गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को टक्कर देने के लिए दो तरफा योजना बना रहा है। इसके तहत वह कल्याणकारी योजनाओं के वादों के साथ-साथ सामाजिक न्याय का एक बड़ा मुद्दा भी पेश करेगा। विपक्ष रोजगार की तलाश में गरीब बिहारियों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के उपाय के रूप में विशेष रोजगार सृजन योजनाओं की पेशकश करने के लिए भी काम कर रहा है। विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि वह स्थानीय भावनाओं को भी प्रभावित करने के लिए एक अभियान चलाकर यह दावा कर सकेगा कि बिहार में कुछ नौकरशाहों के माध्यम से एक दिल्ली गिरोह छद्म सरकार चला रहा है, वह भी ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शारीरिक फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार चुनाव में उसका चेहरा कौन होगा? विपक्ष अभी अपना चेहरा तय नहीं कर पाया है। राजद तेजस्वी को भावी मुख्यमंत्री और विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश कर रहा लेकिन गठबंधन में इस पर कोई सहमति नहीं है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर सहमति बनना मुश्किल है। गठबंधन का कोई भी दल अपनी दावेदारी कम नहीं करना चाहता। ऐसे में विपक्ष भले ही ऊपरी तौर पर ताकतवर दिखने के लिए एकजुटता दिखा रहा है, लेकिन अंदरखाने विपक्ष के चेहरे यानी सीएम प्रत्याशी के नाम को लेकर भारी उथल पुथल मची है। सत्तारूढ पक्ष की ओर से साफ किया जा चुका है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेग। और चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार बैठेंगे। बिना चेहरे के चुनाव मैदान मे उतरने से विपक्ष का पलड़ा कमजोर होना तय है, क्योंकि इस से यह मैसेज जायेगा कि विपक्ष एकजुट नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष खासकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और जन सुराज के संयोजक जिन मुद्दों को आधार बनाकर बिहार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके हर मुद्दे की लगातार हवा निकाल रहे हैं। चाहे बिहार की सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की बात हो या सामाजिक पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी का मुद्दा। यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष से दो कदम आगे चल रहे हैं। चुनाव में अभी लगभग तीन महीने का वक़्त है, तब तक राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा ये अभी कह पाना मुश्किल है। फिलवक्त बिहार मे विपक्ष की राजनीति उलझी और फंसी हुई दिख रही है। चुनाव आयोग की कार्रवाई से विपक्ष की हताशा भी सामने आ चुकी है। ऐसा लग रहा है मानो विपक्ष की सारी उम्मीदें मतदाता सूची पर ही टिकी हुई थी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में पुनरीक्षण शुरू करके उसका बना बनाया काम बिगाड़ दिया हो। कानून और नियमों के तहत चुनाव आयोग साफ सुथरी मतदाता सूची बनाना चाह रहा है। इससे भला किसी को क्या परेशानी हो सकती है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रक्रिया का विरोध कर अपनी मंशा साफ कर दी है।

राजनाथ सिंहः रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

-ललित गर्ग

जन्मदिवस - 10 जुलाई, 2025) भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। द्यमेक इन इंडियाद्घ दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है। राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को द्यनिषिद्ध सूचीद्घ में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। द्यमेक इन इंडियाद्घ अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है।

आज का राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।	**तुला** आज करियर में थोड़ी अस्थिरता रहेगी। कार्यस्थल पर विवाद की स्थिति बन सकती है।
वृषभ यदि आप मार्केटिंग, मीडिया, बैंकिंग से जुड़े हैं तो विशेष सफलता के योग हैं।	**वृश्चिक** आज कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं फलित होंगी। कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन हो सकता है।
मिथुन बौद्धिक कार्यों, आईटी, मीडिया और कंसल्टिंग से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलेगी।	**धनु** आज आपके कार्यक्षेत्र में सकारात्मकता आएगी। करियर से जुड़ी नई योजनाएं बनेंगी।
कर्क आज दिन तरक्की और सफलता से भरा होगा। आप साहसिक निर्णय लेने में सफल रहेंगे।	**मकर** आज कार्यक्षेत्र में अनुशासन और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा।
सिंह आत्मविश्वास आपको भीड़ से अलग करेगा। करियर में कोई बड़ा बदलाव या नई शुरुआत हो सकती है।	**कुंभ** करियर में स्थिरता आएगी और आपकी कार्यकुशलता लोगों को प्रभावित करेगी।
कन्या आज कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। कोई लंबित कार्य पूर्ण हो सकता है।	**मीन** आज किस्मत साथ देगी और आपको करियर में नए अवसर मिल सकते हैं।

विशेष

हिमाचल और उत्तराखंड में भगवान का कहर

उत्तराखंड और हिमाचल को देवभूमि माना जाता है। पिछले कई महीनो से इन दोनों राज्यों में प्राकृतिक प्रकोप और दुर्घटनाओं के कारण जन धन का बड़ा नुकसान हो रहा है। आसमान से बादल फट रहे हैं नदी नालों में बाढ़ है। बाढ़ में मकान और आदमी बहते चले जा रहे हैं। 12 दिन की बारिश और भूखलन की घटना में हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान दोनों राज्यों में हो चुका है हिमाचल के मंडी में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। 29 लोग गायब हैं। दोनों राज्यों ने अभी तक कितने लोगों की मौत दुर्घटना और अन्य कारणों से हुई है, इसकी जानकारी नहीं दी है। कुछ इसी तरह की स्थिति उत्तराखंड की है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने मौसम को देखते हुए यात्राओं पर रोक लगा दी है। पिछले दो-तीन दशकों मे जिस तरह से विकास के नाम प पहाडों को खोखला किया गया है।

चुनाव आयोग निर्वाचन सदन में नहीं भाजपा मुख्यालय में बैठे?

बिहार की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए चुनाव आयोग द्वारा जो नियम तैयार किए हैं। विपक्षी दलों के प्रतिनिधि मंडल से जिस तरीके का व्यवहार चुनाव आयोग के आयुक्तों ने किया है उस पर कांग्रेस ने बड़ी तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने कहा, चुनाव आयोग भाजपा की गुलामी करना छोड़ दे नहीं छोड़ सकती, तो भाजपा मुख्यालय में बैठना शुरू कर दे। संवैधानिक संस्था जिस तरह से भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। उसके कारण उसकी विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म होती जा रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1559 स्काऊट्स की रानी मेरी इंग्लैंड की रानी बनी. 1584 इंग्लैंड पर स्पेनी हमले की साजिश करने वाले फ्रांसिस थारामार्टिन को मौत के घाट उतार दिया गया. 1609 जर्मन राजकुमारी ने प्रोटेस्टैन्ट यूनियन के जवाब में कैथोलिक लीग की स्थापना की. 1645 ओलिवर क्रामवेल की फौजों को राजशाही समर्थकों को लैंगपोर्ट में शिकस्त दी. 1810 ब्रिटिश फौजों ने मारीशस पर कब्जा किया. 1871 फ्रांसिसी लेखक मार्शल प्राउस्ट का जन्म हुआ. 1896 फ्रांसिसी सैनिकों ने फशोदा (सूडान) पर कब्जा किया. 1911 मोरक्को संकट के दौरान फ्रांस का समर्थन करने पर जर्मनी को रूस ने चेतावनी दी. 1943 मित्र राष्ट्रों के सैनिक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सिसलो (इटली) पहुंचे.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.53 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.09 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.21 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.47 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.03 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.27 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	23.58 बजे से
		वृष	01.38 बजे से
		मिथुन	03.36 बजे से

2025 वर्ष का 191 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा अहोरात्र।
योग इन्द्र 21.38 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.56 बजे तदनन्तर बव 02.07 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 14.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872401
जूलियन दिन 2460866.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 14
विशेष कोकिला व्रत, व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

स्किन और नाखूनों से दिखाई देती है किडनी की बीमारी

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन ब्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन ब्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को ब्लड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

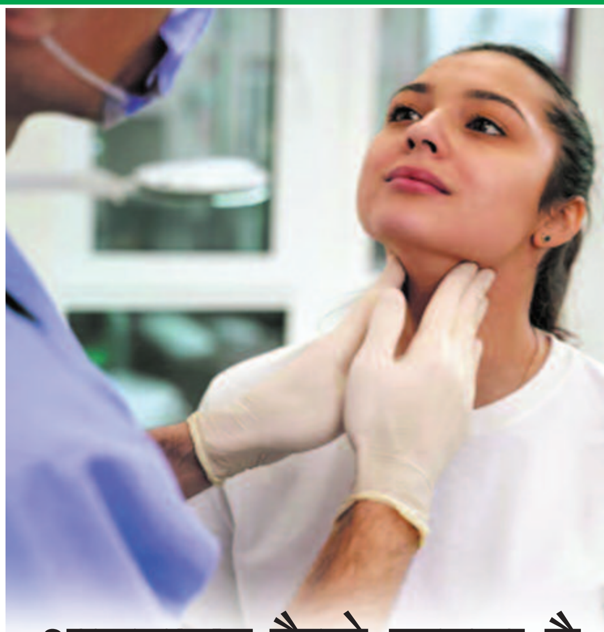

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

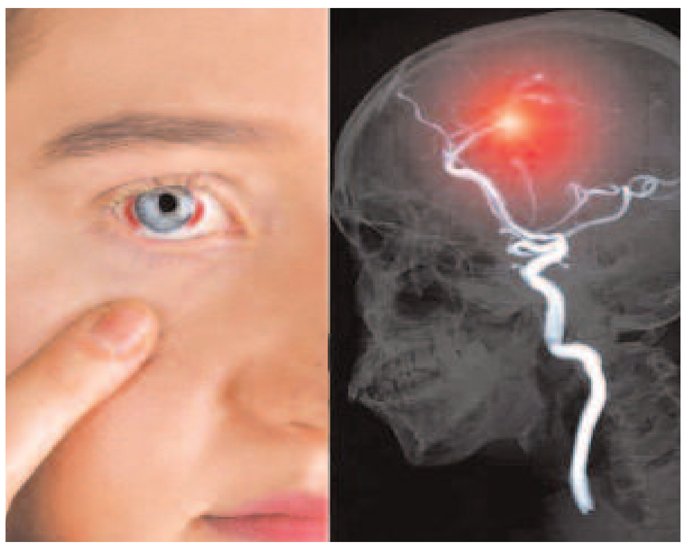

सरकार जल्द ही तेल कंपनियों को एलपीजी के नुकसान की कर सकती है भरपाई

सरकार पिछले 15 महीनों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकारी तेल कंपनियों को 30,000-35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सरकार पिछले 15 महीनों में लागत से कम कीमत पर एलपीजी बेचने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकारी तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को 30,000-35,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे सकती है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय नुकसान की वास्तविक भरपाई और उसकी भरपाई की व्यवस्था पर काम कर रहा है।

1 फरवरी को पेश किए गए वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) के केंद्रीय बजट में, सरकार ने घाटे की भरपाई के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है। हालाँकि, अप्रैल में, सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 32,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया।

इस अतिरिक्त राजस्व का उपयोग वित्त मंत्रालय एलपीजी घाटे की भरपाई के लिए कर सकता है। अधिकारी ने कहा, तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) सरकारी परिवार का हिस्सा हैं। क्षतिपूर्ति होगी। हम मूल्यांकन कर रहे हैं कि कितना घाटा हो रहा है और उन्हें क्षतिपूर्ति के तौर-तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

घरेलू परिवारों को ऊँची बाजार दरों से बचाने के लिए सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित करती है। नियंत्रित कीमतें सऊदी अरब के सीपी - घरेलू एलपीजी की कीमत तय करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मानक - से कम हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थानीय माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है और ईंधन का आयात करना पड़ता है।

इससे घाटे की भरपाई होती है और परिणामस्वरूप ईंधन खुदरा विक्रेताओं को नुकसान होता है। वित्त वर्ष 2024-25 में एलपीजी उद्योग की बिक्री पर कुल घाटा लगभग 40,500 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी के साथ, खुदरा एलपीजी की कीमतों में भी 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे लागत और खुदरा बिक्री मूल्य के बीच के अंतर को कम करने में मदद मिली है, जिससे चालू वित्त वर्ष में घाटे में कमी आई है।

इससे पहले, सरकार दो वित्त वर्षों में कुल 35,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी देने पर विचार कर रही थी। अधिकारी ने आगे कहा कि वे इस बात का मूल्यांकन कर रहे हैं कि हालिया उत्पाद शुल्क वृद्धि से प्राप्त राशि को मुआवजे की राशि में कैसे शामिल किया जाए।

यह पूछे जाने पर कि क्या तेल विपणन कंपनियों को मुआवजा भारत के समेकित कोष के माध्यम से दिया जाएगा, अधिकारी ने कहा, हाँ, मोटे तौर पर इसी तरह। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद, इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

सरकार समय-समय पर आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को इन घाटे की भरपाई करती है। इन तीनों को पहले वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए 22,000 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था। यह 28,249 करोड़ रुपये के घाटे के विरुद्ध था। अधिकारी ने आगे कहा कि एक बार तेल विपणन कंपनियों को धनराशि जारी हो जाने के बाद, यह उनका विशेषाधिकार होगा कि वे पूंजीगत व्यय सहित, धनराशि का उपयोग कैसे करना चाहती हैं।

आईडीबीआई बैंक का निजीकरण जल्द, सरकार ने शेयर खरीद समझौते पर चर्चा की पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से चल रही है। बैंक की रणनीतिक बिक्री की प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। सरकार ने उन निवेशकों के लिए शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री की प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने उन निवेशकों के लिए शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है, जो वित्तीय बोलियां लगाने वाले हैं।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से चल रही है।अक्टूबर 2022 में सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इस प्रक्रिया के तहत सरकार और LIC की कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इसमें सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि फिलहाल डेटा रूम की ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया चल रही है और सरकार जल्द ही वित्तीय बोलियां आमंत्रित करेगी। अक्टूबर 2022 में ईओआई आमंत्रित करने के बाद, जनवरी 2023 में निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग को कई ईओआई प्राप्त हुए थे। आईडीबीआई बैंक के संभावित खरीदार को पहले ही गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिल चुकी है। और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी उपयुक्त एवं उचित मूल्यांकन घोषित कर दिया है। बीएसई में आईडीबीआई बैंक के शेयर 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.50 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

अनिल अंबानी की कंपनी को केनरा बैंक से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। केनरा बैंक ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाले खाते के रूप में वर्गीकृत करने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। केनरा बैंक ने गुरुवार को

बॉम्बे हाईकोर्ट को सूचित किया कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाले खाते के रूप में वर्गीकृत करने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। व्यवसायी और बैंक के बीच चल रही कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। अब फ्रॉड खाते का टैग हटना अनिल अंबानी की कंपनी के लिए एक बड़ी राहत है। केनरा बैंक ने अनिल अंबानी के दिवालिया दूरसंचार उद्यम रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी इकाई के ऋण खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था, क्योंकि 2017 में बैंक से लिए गए 1,050 करोड़ रुपये के ऋण का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया था। ये ऋण मूल रूप से पूंजीगत व्यय और कंपनी के मौजूदा ऋण का भुगतान करने के लिए स्वीकृत किए गए थे। केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस को 5 नवंबर, 2024 को लिखे अपने पत्र में कहा था, उक्त ऋणों और ऋण सुविधाओं का लाभ उठाने के बाद, आपकी कंपनी ने डिफॉल्ट किया और स्वीकृत नियमों व शर्तों का उल्लंघन किया।

नये युग का आईटीएम, स्टैटिक नहीं, डायनामिक अप्ररोच के साथ कर रहा काम

देहरादून, एजेंसी। देहरादून स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनुभवी और कुशल फैकल्टी, नवाचार और छात्रों को स्किल्ड बनाने के लिए जाना जाता है।

आज भारत वर्ष 2047 का रोडमैप लेकर चल रहा है। सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरी है कि हम अपने परम्परागत दृष्टिकोण में बदलाव करते हुए आधुनिक तकनीक और नवाचार को अपने जीवन में सम्मलित करें ताकि भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। देहरादून स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आईटीएम) अपने छात्रों को नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से डायनामिक बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

आईटीएम के चेयरमैन निशांत थपलियाल कहते हैं, हमारा संस्थान स्टैटिक नहीं, डायनामिक अप्ररोच के साथ काम कर रहा है ताकि बदल रहे भारत के साथ यहां के छात्र कदमताल कर सकें।

आईटीएम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनुभवी और कुशल फैकल्टी, नवाचार और छात्रों को स्किल्ड बनाने के लिए जाना जाता है। संस्थान अपने छात्रों को अगले पांच साल के लिए तैयार कर रहा है ताकि वो बाजार की

मांग के अनुरूप तैयार हो सकें। इसके तहत छात्रों को विश्वविद्यालय के तय कोर्स के अलावा छात्रों को स्किल्ड बनाने, वैक्तित्व विकास और अंग्रेजी भाषा में सक्षम बनाने के लिए प्रयास किये जाते हैं। इसके सकारात्मक परिणाम रहे हैं और विगत कई वर्षों से आईटीएम में 100 फीसदी कैंपस प्लेसमेंट हो रहा है।

चेयरमैन निशांत थपलियाल के मुताबिक आज विज्ञान का दौर है। तेजी से बदलाव आ रहे हैं। ऐसे में संस्थान डायनाजिम में विश्वास करता है। हालांकि सेलेबस बदल गया है, लेकिन चेंज इतनी जल्दी हो रहा है कि नया सेलेबस भी पुराना हो जाता है। नवाचार और शोध ने शिक्षा के स्वरूप को बदल दिया है। एक नई तकनीक दूसरी तकनीक को पीछे छोड़ रही है। ऐसे में आईटीएम अपने छात्रों को भविष्य की तकनीक से जोड़ने का काम कर रहा है।

संस्थान का मानना है कि तकनीक सीखने की जरूरत है। मसलन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (एआई) से डरना नहीं है, सीखना है। यही कारण है कि संस्थान ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विस यानी टीसीएस से करार किया है। टीसीएस संस्थान के छात्रों को आर्टिफिशल इंटेलीजेंस(एआई), डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी जैसे कोर्स भी करा रहा है ताकि संस्थान में आज पढ़ रहा छात्र 2030 के भारत के लिए तैयार रहे।

टीसीएस के इस कोर्स के तहत देश की प्रमुख 4200 कंपनियों में काम करने का अवसर मिलता है। आईटीएम में देश की प्रमुख आईटी कंपनियां टीसीएस, विप्रो, इंफोएसिस समेत 200 से भी अधिक कंपनियों के साथ कैंपस प्लेसमेट के लिए करार किया है।

आईटीएम बेहद वाजिब फीस में संस्थान छात्रों को बेहतरीन और अत्याधुनिक सुविधाएं दे रहा है। संस्थान में स्मार्ट और डिजिटल क्लासरूम, लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, सेमिनार हाल, कंप्यूटर लैब, और अन्य तमाम संसाधन मौजूद हैं। क्लासरूम में छात्र-टीचर रेसियो सबसे बेहतरीन है। छात्रों के साथ विभिन्न कंपनियों के एचआर, मैनेजर, टेक्निकल एक्सपर्ट का संवाद कराया जाता है। वर्कशॉप होती हैं और इंडस्ट्रियल टूर भी। वैक्तित्व विकास के लिए नाटक, भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी होती हैं। इसके अलावा आईटीएम खेलों के लिए भी अलग पहचान बनाए हुए है।

बीबीए, बीसीए, बीएससी आईटी, बी.कॉम आनर्स, बी.कॉम, बीएचएम, बीए योग, बीए आनर्स, जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन, बीएफए, बीबीए कारपोरेट, बीए ऑल स्ट्रीम, बी. लिब, बीएससी एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया।

25000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में देश का सबसे बड़ा बैंक, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले सप्हात संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

संपत्ति के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक, अगले सप्हात संस्थागत क्यूआईपी के जरिए निवेशकों को 25,000 करोड़ रुपये (2.9 अरब डॉलर) के शेयर बेचने की तैयारी कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार यह देश का अपनी तरह का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

ब्लूमबर्ग की ओर से इकट्ठा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अगर योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाता है, तो यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी होगा। यह 2015 में कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से की गई 225.6 अरब रुपये की बिक्री से भी आगे निकल जाएगा। बैंक के बोर्ड ने मई में इस बिक्री को मंजूरी दी थी। सूत्रों के अनुसार, योजनाएं अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई हैं और इनमें बदलाव हो सकते हैं। इस मामले में एसबीआई की ओर से फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

मामले की जानकारी रखने वालों के अनुसार, यह बिक्री एसबीआई की ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मज़बूत करने और नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने की व्यापक योजनाओं का हिस्सा है। 2017 के बाद यह पहली सरकार के स्वामित्व वाले इस ऋणदाता ने शेयर बाजार से पैसे जुटाने की योजना पर काम कर रहा है।

भारत-आसियान एफटीए समीक्षा में तेजी की उम्मीद, पीयूष गोयल ने मलेशियाई मंत्री के साथ की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होने वाली है। उन्होंने इस मुद्दे के ऊपर मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ बैठक की है।

भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होन की उम्मीद है। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को बताया कि मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए आसियान के साथ चर्चा चल रही है और वह वार्ता में तेजी लाने के लिए उत्सुक हैं।

गोयल और मलेशिया के उनके समकक्ष टी. जफरुल अजीज के बीच बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा। गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर इससे संबंधित एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ सार्थक बैठक हुई। मलेशिया, आर्थिक मामलों पर आसियान में भारत का स्थायी समन्वयक है। उन्होंने आगे कहा कि हमने दोनों देशों के बीच व्यापक

आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की।

मंत्रियों ने आसियान भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा और उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि समीक्षा वार्ता धीमी गति से आगे बढ़ रही है। समझौते की समीक्षा भारतीय उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग है। भारत एक उन्नत समझौते की उम्मीद कर रहा है, जो द्विपक्षीय व्यापार में मौजूदा विषमताओं को दूर करेगा और व्यापार को अधिक संतुलित व टिकाऊ बनाएगा।

2010 में लागू हुआ था दोनों पक्षों के बीच यह समझौता

आसियान के सदस्यों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। भारत और 10 देशों के समूह आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के बीच वस्तुओं के क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर किये गये थे। आसियान व्यापार समझौता जनवरी 2010 में लागू हुआ। अगस्त 2023 में, दोनों पक्षों ने 2025 तक वस्तुओं पर मौजूदा समझौते की पूर्ण समीक्षा की घोषणा की।

टीसीएस के नतीजों से पहले शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट

मुंबई, एजेंसी। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे क्योंकि निवेशक नतीजों के मौसम की शुरुआत से पहले अलग-थलग रहे। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस आज दिन में अपनी पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा करने वाली है।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 76.99 अंक गिरकर 83,461.90 पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.15 अंक गिरकर 25,452.95 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा पिछड़ गए। हालाँकि, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे।

बाजार उस संकीर्ण दायरे को तोड़ने की संभावना नहीं है जिसमें यह एक महीने से अधिक समय से कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजारों की मजबूती और भारतीय बाजारों में निरंतर पूंजी प्रवाह, इस दायरे के निचले स्तर पर बाजार को सहारा दे सकते हैं। अमेरिका और

भारत के बीच व्यापार समझौते की सकारात्मक खबरों के चलते निफ्टी 25,500 के ऊपरी दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर निकल सकता है। लेकिन बाजार ने इसे आंशिक रूप से कम करके आंका है और इसलिए, यह निफ्टी 25,500 से आगे की तेजी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगा, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा।

उन्होंने कहा कि आज से नतीजों का मौसम शुरू हो रहा है और नतीजों के बाद शेयर बाज़ार में कई तरह की हलचल देखने को मिलेगी। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा भारत, बुधवार को ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ पत्र जारी किए गए देशों की सूची में अब तक शामिल नहीं है।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बाजार दो प्रमुख कारकों से प्रेरित हैं- टैरिफ का खतरा और टीसीएस द्वारा 10 जुलाई को बाजार खुलने के बाद पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत गिरकर 70.15 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 176.43 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 83,536.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 46.40 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,476.10 अंक पर बंद हुआ।

वंतिका, पद्मिनी, नंधिधा दूसरे राउंड में, हम्पी और हारिका भी खेलेंगी दूसरा राउंड

बातुमी , जॉर्जिया, एजेंसी। फीडे विश्व महिला कप 2025 के पहले राउंड के दूसरे मुकाबलों में भारत की तीन प्रमुख महिला शतरंज खिलाड़ियों - इंटरनेशनल मास्टर वंतिका अग्रवाल, आईएम पद्मिनी राऊत और महिला ग्रांड मास्टर नंधिधा पी वी - ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में प्रवेश कर लिया है । वहीं प्रियंका के ने हंगरी की महिला ग्रांड मास्टर गाल झोका को हराकर टाईब्रेक में प्रवेश कर दिया है । महिला ग्रांड मास्टर किरण मनीषा मोहंती पहले राउंड में बाहर होने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। वंतिका अग्रवाल ने तुर्कमेनिस्तान की लाला शोहरादोवा के विरुद्ध मुकाबला महज 27 चालों में समाप्त कर दिया, जब लाला ने एक चाल में अपने मोहरे की बलि दे दी। नंधिधा ने इक्वाडोर की अनाही ओर्तिज वर्देजोतो को हराया, जिन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर एक चाल में स्थिति गंवा दी और मुकाबला गवां बैठीं। भारत की पाँच बार की राष्ट्रीय विजेता पद्मिनी राऊत ने चीन की झांग लनलिन के खिलाफ सिसिलियन नजडोर्फ में लगातार दूसरे मुक़ाबले में अपना हाथी कुर्बान करते हुए जीत दर्ज की । वहीं महिला ग्रांड मास्टर प्रियंका के ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज करते हुए हंगरी की शीर्ष खिलाड़ी गाल झोका को हराया और मैच को टाईब्रेक तक खींच लिया।दूसरे राउंड में भारत की दो खिलाड़ी एक-दूसरे से टकराएंगी जब ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली का मुकाबला नंधिधा पी वी से होगा। वहीं अन्य मुकाबलों में जीएम कोनेरु हम्पी का सामना उज्बेकिस्तान की डब्ल्यूआईएम अफरूजा खमदामोवा से होगा, आईएम पद्मिनी राऊत का सामना जीएम अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड) से होगा, आईएम दिव्या देशमुख का मुकाबला जॉर्जिया की डब्ल्यूएफएम केसारिया म्गेलाड्जे से होगा और वंतिका अग्रवाल का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन जीएम अन्ना उशेनीना (यूक्रेन) से होगा।

गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन अस्थाई रूप से निलंबित, डोप टेस्ट में विफल रहने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली , एजेंसी। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भारतीय गोला फेंक खिलाड़ी जैस्मिन कौर को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी अस्थायी निलंबन के तहत रखे गए खिलाड़ियों की नवीनतम सूची से मिली है। इस साल की शुरुआत में देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय जैस्मिन का टरबुटेलाइन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया है जो आमतौर पर खांसी की दवाई में पाया जाता है। पंजाब की इस खिलाड़ी ने पिछले साल अंतर विश्वविद्यालय खेलों में 14.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान भी हासिल किया था। इस बीच अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान नितिका पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है जो पिछले साल 28 मई से प्रभावी है।

देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे सूर्यकुमार, बुमराह-संजना ने भी लगाया ग्लैमर का तड़का

लंदन, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सबसे बड़ा ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। पुरुष और महिला एकल के सेमीफाइनल मुकाबलों की आज से शुरुआत हो जाएगी। इस टूर्नामेंट में फिल्म और खेल जगत के कई सितारों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। एंड्रयू गारफिल्ड और टॉम हॉलैंड से लेकर ब्रायन लारा और विराट कोहली तक इस टूर्नामेंट में शिरकत कर चुके हैं। अब बुधवार को भारत के दो और स्टार क्रिकेटर्स विंबलडन का मुकाबला देखने पहुंचे। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पत्नी देविशा के साथ विंबलडन मैच देखने पहुंचे, जबकि जसप्रीत बुमराह ने भी पत्नी संजना के साथ विंबलडन का मैच देखा। इन दोनों की तस्वीरें विंबलडन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के लिए यूरोप गए थे। जर्मनी में उनकी सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ क्रिकेट से ब्रेक का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में वह इंग्लैंड पहुंचे। वहीं, बुमराह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। विंबलडन ने सूर्यकुमार और बुमराह का आभार भी जताया है। अब तक क्रिकेट जगत से कुल 11 सितारे विंबलडन 2025 के मुकाबले देखने पहुंच चुके हैं। इससे पहले क्रिकेट जगत से दीपक चाहर पत्नी जया भारद्वाज के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, विराट कोहली ने भी पत्नी अनुष्का के साथ विंबलडन का मुकाबला देखा था। वहीं, इंग्लैंड के सुपरस्टार जो रूट भी पत्नी कैरी कॉटरेल और जेम्स एंडरसन पत्नी डैनिएला लॉयड के साथ विंबलडन देखने पहुंचे थे। वहीं, महान ब्रायन लारा भी इसमें हाजिरी लगा चुके हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज से समय निकालकर विबंलडन का लुत्फ उठाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्लेयर रैटक्लिफ भी नजर आईं। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी विंबलडन मैच देखने पहुंचे। इस दौरान वह सूट-बूट में नजर आए।

जोकोविच रिकॉर्ड 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे, कोबोली को कठिन मैच में हराया

लंदन, एजेंसी। पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना सिनर से और कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में अरिना सबालेंका का सामना अमांडा एनिसिमोवा से और दूसरे सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनचिच का सामना इगा स्वियातेक से होगा। सर्बिया के नोवाक जोकोविच विंबलडन के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त फैबियो कोबोली को मुश्किल मुकाबले में 6-7, 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। यह जोकोविच का विंबलडन में रिकॉर्ड 14वां सेमीफाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में उनसे ज्यादा सेमीफाइनल मैच किसी ने नहीं खेला है। जोकोविच की नजर आठवीं बार विंबलडन जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने पर है। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना विश्व नंबर एक यानिक सिनर से होगा। सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बेंजामिन शेल्टन को 7-6, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना टेलर फ्रिट्ज से होगा। अल्काराज कैम नॉरी को 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर और फ्रिट्ज खाचानोव को 6-3, 6-4, 1-6, 7-6 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे।

सैमसोनोवा को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक

लंदन, एजेंसी। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने बुधवार को रूस की लुडमिला सैमसोनोवा को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराकर पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नंबर 1 कोर्ट पर खेलते हुए, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार मेजर क्वार्टर फाइनलिस्ट सैमसोनोवा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। 19वीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियातेक ने रूसी खिलाड़ी पर 1 घंटा 49 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। यह उनकी सैमसोनोवा के खिलाफ लगातार 5वीं जीत है। विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में 125 सप्ताह बिताने वाली इगा स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी सक्रिय खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अलावा इस सूची में सबालेंका, विक्टोरिया अजारेंका और कैरोलिना प्लिसकोवा शामिल हैं।

स्वियातेक ने चार खिताब फ्रेंच ओपन की लाल मिट्टी पर और एक यूएस ओपन की हार्ड कोर्ट पर जीता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के हार्ड कोर्ट पर भी दो बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। हालांकि, ऑल इंग्लैंड क्लब की घास वाली को?र्ट पर उनके लिए अब तक सबसे मुश्किल साबित हुई। 23 साल की पोलैंड की खिलाड़ी इस साल घास पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इस साल इस सतह पर उनका रिकॉर्ड 8-1 है। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ विंबलडन परिणाम 2023 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना था। वह 2015 में एग्निज्का राडवांस्का के बाद विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला खिलाड़ी बन गईं। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने जर्मनी की लौरा सीगेमंड की कड़ी चुनौती को परास्त कर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। एक अन्य मुकाबले में, अमांडा अनिसिमोवा ने क्वार्टर फाइनल में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-1, 7-6(9) से हराकर अंतिम चार में जगह पक्की कर ली।

हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना की अगुआई में भारत ने खत्म किया 19 साल का सूखा

पहली बार इंग्लैंड से जीती महिला टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने 9 जुलाई 2025 की रात 2 बजे इंग्लैंड के मैनचेस्टर में इतिहास रचा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 सीरीज जीती। भारत ने मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही उसने 5 मैच की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बनाई और इतिहास रचा।

सीरीज का अंतिम टी20 मैच शनिवार 12 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में खेला जाएगा। इससे पहले भारत ने 2006 में डर्बी में खेले गए एकमात्र टी20 मैच में इंग्लैंड को हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी धरती पर खेली गई हर महिला टी20 सीरीज (कुल 6 श्रृंखला) में हारती रही थी। इस तरह भारत ने 19 साल का सूखा खत्म किया।

शैफाली वर्मा–स्मृति मंधाना की ताबड़तोड़ शुरुआत

भारत की शानदार जीत में उसकी स्पिनर्स ने अहम भूमिका निभाई। राधा यादव (2/15), श्री चरणी (2/30) और दीप्ति शर्मा (1/29) ने 5 विकेट लिए और मेजबान टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा (31 रन, 19 गेंद) और स्मृति मंधाना (32 रन, 31 गेंद) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7 ओवर में 56 रन की साझेदारी करके जीत की नींव रखी। भारत ने 18 गेंद शेष रहते 17 ओवर में 4 विकेट पर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राधा यादव प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

इंग्लैंड की धीमी पारी

इंग्लैंड ने अपने 20 ओवर्स में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। दूसरी ओर, भारत ने 10 चौके की मदद से 5 ओवर्स में ही 50/0 का स्कोर बना लिया था। इसके बाद मेजबानों ने रन-फ्लो रोकने में कामयाबी हासिल की और अगली 24 गेंद में सिर्फ 20 रन दिए भारत की दोनों ओपनर्स (शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना) को पवेलियन भेज दिया। एक समय ऐसा भी आया जब भारत की स्थिति थोड़ी निराशाजनक लग रही थी।आवश्यक रन-रेट एक गेंद पर एक रन के करीब पहुंच रहा था, लेकिन हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में सिंगल्स लेकर क्रीज पर नजरें टिकाईं। फिर कुछ बड़े ओवर आए जहां उन्होंने 22 रन बनाकर लगभग मैच अपने पाले में पक्का कर लिया।

दस दिन से पहले पोलैंड रेस फतह कर जॉन ग्वाइट ने रचा इतिहास, बनाया भारत का नया साइकिलिंग रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने 3,600 किलोमीटर लंबी रेस अराउंड पोलैंड बिना किसी मदद के अकेले 9 दिन 21 घंटे में पूरी कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने 274 घंटे के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और 31,000 मीटर ऊंचाई वाले चुनौतीपूर्ण रास्तों को पार किया।

भारत के अल्ट्रा-एंड्योरेंस साइकिलिस्ट जॉन ग्वाइट ने इतिहास रचते हुए दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण साइकिलिंग स्पर्धाओं में से एक रेस अराउंड पोलैंड (आरएपी) को 10 दिनों से भी कम समय में पूरा कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच डाला। ग्वाइट ने कई बाधाओं को पार करते हुए 3,600 किलोमीटर की दूरी 237 घंटे में पूरी की। उन्होंने इसके लिए कुल नौ दिन और 21 घंटे का समय लिया है। ग्वाइट ने रेस पूरी करके 274 घंटे के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ा। वह 10 दिन से कम में इस रेस को पूरा करने वाले देश के पहले साइकिलिस्ट हैं।

ग्वाइट ने अन्य प्रतिभागियों की तरह अकेले और बिना किसी सहायता के प्रतिस्पर्धा की। रेस के दौरान साइकिलिस्टों को कोई टीम कार या कोई बाहरी सहायता नहीं दी गई थी। यह रेस इस वजह से भी कठिन हैं, क्योंकि रेस में दुर्गम रास्तों से

गुजरते हुए 31 हजार मीटर की ऊंचाई तक जाना होता है। यह रेस एक अन्य कठिन साइकिलिंग स्पर्धा रेस अक्रॉस अमेरिका के लिए एक क्वालिफायर इवेंट भी है।ग्वाइट ट्रांस हिमालयन रेस को 62 घंटे में पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दूरी भी पार की है। पेरिस से ब्रेस्ट और पेरिस की 1229 किलोमीटर की दूरी को उन्होंने 59 घंटे 29 मिनट में पूरा किया।

पीएसजी फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में, रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया, रुईज ने दागे दो गोल

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी।इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। रुईज ने छठे और 24वें मिनट में दो गोल दागे। इसके अलावा डेम्बेले और रामोस ने एक-एक गोल किया।

पीएसजी की टीम फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। उसने सेमीफाइनल में स्पेन की दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए फैबियन रुईज ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। अब फाइनल में पीएसजी का सामना चेल्सी से होगा। चेल्सी ने फ्लूमिनेंस को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 14 जुलाई को रात साढ़े 12 बजे शुरू होगा।

पीएसजी की मैड्रिड पर एकतरफा जीत

इसी साल यूएफा चैंपियंस लीग जीतने वाली पीएसजी की टीम ने रियल मैड्रिड को पूरे मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। टीम ने शुरू में स्पैनिश जायंट्स पर पकड़ बना ली थी। मैच के छठे मिनट में ही रुईज ने गोल दाग पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी। फिर डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दाग बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में ही दो गोल खाने के बाद रियल मैड्रिड की टीम सकपका गई। टीम ने आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन काफी मौके गंवाए। रुईज ने फिर 24वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 3-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक पीएसजी की टीम 3-0 से आगे रही। हाफ टाइम के बाद पीएसजी ने डिफेंस पर ज्यादा ध्यान दिया। मैड्रिड की टीम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकी। 87वें मिनट में गोंकालो रामोस ने गोल दागा और पीएसजी को 4-0 से आगे कर दिया और साथ ही टीम की लगभग जीत सुनिश्चित कर दी।

पेड्रो के दो गोल से चेल्सी 13 साल बाद फाइनल में

इससे पहले यूरोपीय क्लब चेल्सी 13 साल बाद क्लब विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया। क्लब ने सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात दी। इस मैच के हीरो 23 साल के जाओ पेड्रो रहे जिन्होंने चेल्सी के लिए पहली बार गोल किए। दोनों गोल उन्हीं के नाम रहे। उन्होंने पहले हाफ में 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। वहीं, 56वें मिनट पर एंजो फर्नांडिस की मदद से वह दूसरा गोल करने में सफल रहे। यह पहली बार हुआ है जब किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में अपने पुराने क्लब (2019-2020) के खिलाफ गोल दागा है। अब चेल्सी की नजरें पहले खिताब पर होंगी क्योंकि 2012 में वह पहली बार क्लब विश्वकप के फाइनल में पहुंचकर भी ब्राजील के क्लब कुरिन्थियों से हार गया था।

कार्लो एंसेलोटी के बेटे डेविड बने बोटाफोगो के कोच

ब्राजील के क्लब बोटाफोगो ने ब्राजील राष्ट्रीय टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के बेटे को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। 35 वर्षीय डेविड एंसेलोटी को 2026 तक का अनुबंध दिया गया है। यह उनका पहला पूर्णकालिक कोचिंग अनुबंध है। बोटाफोगो के मालिक जॉन टेक्स्टर ने क्लब विश्वकप में टीम के अंतिम-16 से बाहर होने के बाद पूर्व कोच रेनाटो पाइवा को निकाल दिया था।

पेरेंट्स बनने वाले हैं राजकुमार-पत्रलेखा

सोशल मीडिया पर दी जानकारी, सेलेब्स ने दी बधाई

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और पत्रलेखा ने सोशल मीडिया पर माता-पिता बनने की खुशखबरी शेयर की है। उनकी इस गुड न्यूज को शेयर करने के बाद कई सेलेब्स और फैंस उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

राजकुमार और पत्रलेखा का पोस्ट

राजकुमार राव और पत्रलेखा अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने पालने के साथ एक खूबसूरत पेस्टल रंग की तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की, जिसमें लिखा है बेबी ऑन द वे। राजकुमार ने कैप्शन के साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, उत्साहित और साथ ही लाल दिल वाले इमोजी बनाए।

दोनों का रिश्ता और शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार और पत्रलेखा की प्रेम कहानी बहुत खास है। उनकी मुलाकात एक दशक पहले हुई थी। 2014 में फिल्म सिटीलाइट्स में साथ काम करने के बाद उनका प्यार और गहरा हो गया। राजकुमार को पहली नजर में ही पत्रलेखा से प्यार हो गया था। 2021 में राजकुमार ने पत्रलेखा को प्रपोज किया था। 15 नवंबर को चंडीगढ़ में दोनों ने सादगी भरी शादी की। पत्रलेखा ने बंगाली कविता वाली लाल साड़ी पहनी, और राजकुमार हाथी दांत रंग के कपड़ों में जंच रहे थे। राजकुमार ने एक इंटरव्यू में कथित तौर पर बताया कि पत्रलेखा ने उन्हें मुंबई में कभी अकेलापन महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं, कि मुझे 2010 में पत्रलेखा मिलीं। 15 साल में, 11 साल डेटिंग और 3 साल शादी के बाद, वे मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं।

गेमरलॉग की सफलता के बीच कुणाल भान ने बहरीन में परिवार संग मनाया जन्मदिन

इस साल अभिनेता कुणाल भान का जन्मदिन काफी खास बन गया है। उनकी नई वेब सीरीज गेमरलॉग को मिल रही कामयाबी के बीच उन्होंने अपना यह खास दिन अपनों के साथ मनाया। कुणाल इन दिनों अपने परिवार के साथ बहरीन में हैं। इस बारे में वे कहते हैं, मैंने इस साल अपना जन्मदिन परिवार के साथ बहरीन में मनाया। मेरे माता-पिता यहीं रहते हैं। तो जब भी उनके पास आता हूँ, मेरे लिए हर दिन बहुत खास होता है। मुंबई में काम के चलते वक्त निकालना मुश्किल हो जाता है, लेकिन परिवार के साथ बिताए जाने वाले पलों को मैं हमेशा प्राथमिकता देता हूँ। मेरा परिवार मुझे जमीन से जोड़े रखता है और चाहे काम की वजह से मैं कितना भी व्यस्त क्यों न रहूँ, उनके साथ बिताया समय मुझे मानसिक और भावनात्मक तौर पर फिर से तरोताजा कर देता है। कुणाल मानते हैं कि गेमरलॉग के लिए मिल रही तारीफ ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया है।

90 के दशक की दीवानी कृति सेनन, प्लेलिस्ट के लिए फैंस से मांगे गानों के सुझाव

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की यादें ताजा कीं। उन्होंने 90 के दशक के गानों के साथ अपनी पुरानी यादों को जिया और एक वीडियो शेयर किया। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह 90 के दशक के गानों पर नाचती हुई नजर आ रही हैं। मोनोक्रोम वीडियो पर एक्ट्रेस ने लिखा, हमेशा के लिए 90 के दशक की बच्ची। वीडियो में कृति मेकअप करती दिख रही हैं और साथ ही अलिशा चिनॉय के हिट सॉन्ग मेड इन इंडिया के गानों पर थिरकती भी नजर आ रही हैं। इसके बाद वीडियो में एक्ट्रेस ए बैंड ऑफ बॉयज का गाना मेरी नींद गुनगुनाती हैं। उसके बाद एल्बम रॉकी हैंडसम के मस्तीभरे गाने तेरी तो, तेरी ता, हमेशा याद सतावे पर डांस करती हैं। कृति ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पार्ट 3 के लिए और 90 के गाने बताओज प्लेलिस्ट अपडेट करनी है। इस पर सिंगर सोफी चौधरी ने कमेंट किया, मुझे उम्मीद है कि तुम जानती हो कि मैंने मेड इन इंडिया गाने में बैकिंग वोकल्स गाए थे, जब मैं बच्ची थी। वही मेरा डेब्यू था। इस वीडियो पर यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं और गानों का सुझाव दे रहे हैं। एक यूजर ने सुझाव देते हुए गाने का नाम कमेंट में लिखा- चुनरी-चुनरी।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं-

मुझे गर्व महसूस हो रहा है

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया। इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछ्ले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं। बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। 7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे।

मधुर भंडारकर की मल्टी-स्टारर फिल्म द वाइव्स में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जिसे नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने भी फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का पहला दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। इस मास्टर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम करने का अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर भंडारकर एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म निर्माण के अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को छूने जा रहे हैं। इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल ज़िंदगी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया गया है कि जब वे चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई-प्रोफाइल पार्टियों से दूर होती हैं, तो क्या होता है।

आलिया ही नहीं, उर्वशी के साथ भी वेदिका शेट्टी ने की धोखाधड़ी, एक्ट्रेस की मां ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला ने आलिया भट्ट की पूर्व असिस्टेंट वेदिका शेट्टी के बारे में चौंकाने वाले कई खुलासे किए। वेदिका शेट्टी को 77 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में जुहू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वेदिका पहले उर्वशी की पर्सनल असिस्टेंट थीं। चौंकाने वाले खुलासे में मीरा ने बताया कि कैसे वेदिका कथित तौर पर रौतेला परिवार से लाखों रुपए की चोरी में शामिल थी। उन्होंने कुछ समय पहले पुलिस को इस घटना की सूचना दी थी। अब उन्होंने इस पूरे दुखद अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। मीरा रौतेला ने कहा, वेदिका शेट्टी 2015 से 2017 तक मेरी बेटी उर्वशी की पूरी तरह से 24 घंटे काम करने वाली असिस्टेंट थीं। लास वेगास में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता से लौटने के बाद उन्हें उर्वशी की मदद के लिए रखा गया था। 2016 में मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज सौंपे जाने के दौरान वह उर्वशी के साथ थीं। इस दौरान वेदिका को उर्वशी के कपड़े, भारी गाउन और निजी सामान संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन, थोड़े ही समय बाद हमें पता चला कि वेदिका ने कई बार चोरी और धोखाधड़ी की है, जिससे हमारे परिवार को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। उर्वशी की मां ने बताया, 2016 में मिस यूनिवर्स इंडिया का क्राउन सौंपने के इवेंट में शामिल होने के लिए मेरी मां नैनीताल से मुंबई हमारे घर आई थीं। जब वह हमारे घर में थीं, तब वेदिका शेट्टी का उर्वशी की असिस्टेंट के रूप में हमारे घर में आना-जाना था।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार, बोले- फिल्म ने रुला दिया

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया। फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है।

वॉर 2 में ऋतिक संग काम करना अविस्मरणीय रहा: कियारा आडवाणी

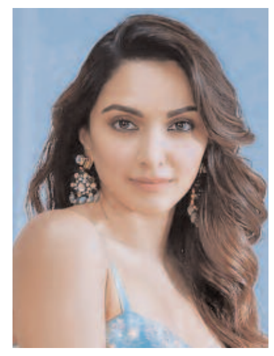

अभिनेत्री कियारा आडवाणी वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने ग्रीक गॉड के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया। कियारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने का अनुभव शानदार और कभी न भूल पाने वाला रहा। अपनी अगली फिल्म के लिए उत्साह जताते हुए कियारा ने कहा, आदि सर और अयान के साथ ही पूरी शानदार टीम के साथ काम करने का अनुभव भी काफी उत्साह भरा रहा, हम वॉर 2 के एक्शन और रोमांच को दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं और बेसब्री से इंतजार है। इसी के साथ ही मंगलवार को ऋतिक ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के साथ मोस्ट अवेटेड सीक्वल की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की थी। कियारा की तारीफ करते हुए ऋतिक ने लिखा, कियारा आडवाणी, मैं दुनिया को आपका विलेन का रोल दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार रहा है। फिल्म में कियारा और ऋतिक की मुख्य ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। सुपर 30 अभिनेता ने अपने नोट में लिखा, कैमरा बंद होने पर सवार2 के लिए मिली-जुली भावनाएं, 149 दिनों की अथक दौड़-भाग, एक्शन, डांस, खून-पसीना, चोटें... और यह सब इसके काबिल था! उन्होंने लिखा था, एनटीआर सर, आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं अयान की सिनेमैटिक फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकता!! वॉर 2 की पूरी कास्ट और क्रू को, अपनी प्रतिभा साझा करने और हर एक दिन अपना सब कुछ देने के लिए धन्यवाद।

मैं मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में खुश, समझ नहीं आती जेन-जेड की भाषा: काजोल

एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि वह जेन-जेड की अनोखी भाषा को समझने की कोशिश नहीं करतीं। उन्हें अपनी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी पर भरोसा है और वह उसी में खुश हैं। काजोल 22 साल की बेटी नीसा और 15 साल के बेटे युग की मां हैं। बातचीत में काजोल ने कहा, मैं जेन-जेड की भाषा समझने की कोशिश ही नहीं करती। मैं अच्छी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी बोलने से संतुष्ट हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें जेन-जेड की भाषा उलझन भरी लगती है, तो काजोल ने जवाब दिया, मैं मदद मांग लेती हूं।

अगर मुझे कुछ समझ नहीं आता, तो मैं साफ कहती हूं कि इसे सरल भाषा में बताओ। काजोल ने साल 1994 में फिल्म 'गुंडाराज' की शूटिंग के दौरान एक्टर अजय देवगन के साथ डेटिंग शुरू की थी। साल 1999 में दोनों ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। साल 2003 में उनकी बेटी नीसा और साल 2010 में बेटे युग का जन्म हुआ।

काजोल हाल ही में 27 जून को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल-हॉरर फिल्म 'मां' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ एक्टर रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2024 की फिल्म 'शैतान' के यूनिवर्स पर आधारित है। कहानी एक मां और बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पति के होमटाउन चंद्रपुर जाने पर एक श्राप का सामना करते हैं। फिल्म में काजोल ने एक ऐसे मां किरदार निभाया, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो उनके पास 'सरजमीन' है, जिसका निर्देशन कायोज ईरानी ने किया है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी, जिसमें इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।

इसके अलावा, वह एक्शन थ्रिलर 'महारागनीः क्वीन ऑफ क्वीन्स' में दिखेंगी, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम भी हैं।

साभार एजेंसी